नई दिल्ली। बुधवार, 23 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 258/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल 200 टी-20 जीतने वाली बनी दुनिया की पहली टीम...
@ विचार आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल...
@ व्यापार तेजी के बाद फिर गिरा बाजार, सेंसेक्स 330 अंक लुढ़का...

खबर झरोखा

भारत से खाड़ी तक फोन पे का विस्तार

भारतीय डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म फोन पे को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खुदरा भुगतान सेवाओं, कार्ड योजनाओं और डिजिटल वैल्यू स्टोरेज से जुड़ी गतिविधियों के लिए दो लाइसेंसों की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है।

वॉलमार्ट समर्थित फिनटेक कंपनी ने मंगलवार को बताया कि यूएई के केंद्रीय बैंक की यह मंजूरी प्रारंभिक नियामकीय जांच पूरी होने के बाद मिली है। हालांकि, फोन पे को यूएई में व्यावसायिक संचालन शुरू करने से पहले केंद्रीय बैंक से अंतिम मंजूरी हासिल करनी होगी।

जापान के खिलाफ बाल-बाल बचा विश्व चैंपियन भारत

विश्व चैंपियन भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित पांच-पांच ओवर के बेहद रोमांचक मुकाबले में जापान को महज 2 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने उस मुकाबले में बड़ी मुश्किल से बाजी मारी, जिसमें जापान ऐतिहासिक उलटफेर के बेहद करीब पहुंच गया था। धीमी पिच और सुस्त आउटफील्ड पर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने में काफी परेशानी हुई। भारत ने निर्धारित पांच ओवर में 4 विकेट पर 32 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर 16 रन बनाकर टीम के एकमात्र बल्लेबाज रहे, जिन्होंने दोहरे अंक का स्कोर बनाया।

ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे : ट्रंप

एजेंसी ■ वॉशिंगटन



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान विश्व नेताओं को संबोधित किया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत अमेरिका आए वैश्विक प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए की। उन्होंने अमेरिका की कथित तौर पर फिर से मजबूत हुई स्थिति की प्रशंसा की।

ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका वापस आ गया है और हमारा देश आज पहले से कहीं अधिक मजबूत है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमने ईरान को समझौते का मौका दिया था। हमने ये युद्ध लगभग खत्म कर दिया है। ईरान को बचने का मौका नहीं मिलेगा। ईरान का हमला अब भी जारी है। अमेरिका कभी भी ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देगा। ट्रंप ने कहा कि पिछले 51 वर्षों से ईरानी शासन 'खून-खराबे और सामूहिक हत्याओं के जरिए शासन कर रहा है और पूरे मध्य पूर्व तथा उसके बाहर मौत, तबाही और अराजकता फैला रहा है।' उन्होंने कहा कि ईरान कभी मध्य पूर्व का दबंग था, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

ट्रंप ने कहा कि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कहा कि उनके सामने एक बड़ा फैसला है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या ईरान के साथ ऐसा समझौता किया जाए, जिससे वह फिर से खड़ा हो सके और पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली देश बन सके, या फिर इस्लामिक रिपब्लिक को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। ट्रंप ने कहा, 'क्या ईरान के साथ ऐसा समझौता होगा, जो उसे फिर से खड़ा होने और पहले से कहीं अधिक बड़ा देश बनने की अनुमति देगा, शायद मध्य पूर्व या यहां तक कि दुनिया के सबसे महान देशों में से एक? या फिर मैं इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म कर दूं और वह भी तेजी से, ताकि उसे दोबारा लोगों और देशों को मारने तथा तबाह करने का मौका न मिले?' उन्होंने आगे कहा, 'क्या मैं उन्हें नरक में धकेल दूं, जहां उनके पास जीवित रहने का कोई मौका और भविष्य में महानता की कोई उम्मीद न हो?'



रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी के देवपुरी इलाके में 50 हजार सिक्कों से बनी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

तरंग शक्ति 2026 : जोधपुर के आसमान में गरजेंगे अमेरिकी एफ-35

एजेंसी ■ नई दिल्ली



भारतीय वायुसेना के साल के सबसे बड़े मल्टीनेशनल अभ्यास 'तरंग शक्ति 2.0' की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। तरंग शक्ति के दूसरे एडिशन में इस बार सबकी नजरें होंगी पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट पर टिकी हैं।

अमेरिका अपने एफ-35 के साथ अभ्यास में शिरकत कर रहा है। यह पहली बार होगा कि भारत में एफ-35 किसी सैन्य अभ्यास में हिस्सा ले रहा है। इससे पहले एयरो इंडिया में पहली बार एफ-35 शामिल हुआ था।

भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बताया कि नहीं, पहली बार नहीं। हम पहले भी एफ-35 ऑपरेट करने वाले देशों के साथ अभ्यास कर चुके हैं और उनके साथ आयोजित अभ्यासों में भाग लिया है। मेरी याददाश्त के अनुसार, ऐसे दो-तीन अभ्यास हो चुके हैं। हां, भारत में यह पहली बार है। उन्होंने पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट के संदर्भ में कहा, 'जहां तक फिफ्थ जेनरेशन के लड़ाकू विमान का सवाल है, इसके दो पहलू हैं। पहला, हम अपना पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान विकसित कर रहे हैं। इसके लिए हमारे पास आवश्यक सपोर्ट सिस्टम, कौशल और तकनीकी क्षमता भी है। दूसरा पहलू यह है कि इस क्षमता के विकास के माध्यम से हम आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित कर रहे हैं। मेरा मानना है कि यही अधिक महत्वपूर्ण पहलू है।' इस अभ्यास में कुल 7 देश अपने एयरक्राफ्ट के साथ हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका के साथ-साथ बांग्लादेश भी शामिल है। इसके अलावा, 32 देश ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हो रहे हैं। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बताया कि 65 देशों को इन्वाइट किया गया था। इनका चयन अभ्यास के खास कॉन्स्ट्रक्ट के आधार पर किया गया है।

'वंदे मातरम न गाने पर नहीं हो सजा': सुप्रीम कोर्ट

केंद्र सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी ■ नई दिल्ली



वंदे मातरम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि अंतरात्मा या धार्मिक आधार पर राष्ट्रीय गीत गाने से इनकार करने वाले 'कर्तव्यनिष्ठ आपत्तिकर्ता' के अधिकारों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

वंदे मातरम गाने से इनकार करने वाले किसी को दंडित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह इस मामले में 1986 के अपने उस फैसले को ध्यान में रखे, जिसमें अंतरात्मा के आधार पर राष्ट्रगान गाने से इनकार करने वाले स्कूली बच्चों को संरक्षण दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। मामला कर्नाटक संगीत के गायक टीएम कृष्णा की याचिका से जुड़ा है, जिसमें 2026 में संशोधित कानून के तहत वंदे मातरम के सभी छह अंतरों के गायन को लेकर सवाल उठाए गए हैं। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अदालत यह तय करने नहीं जा रही है कि राष्ट्रीय गीत क्या होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत के रूप में क्या तय किया जाए, यह राज्य के अधिकार क्षेत्र का विषय है।

भारतीय बेटियों ने स्वर्ण जीतकर रचा इतिहास

फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया

एजेंसी ■ निशिन



भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 10 ओवर में 99 रन की विस्फोटक साझेदारी की। वर्मा 29 गेंदों पर 3 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 48 रन बनाकर आउट हुईं।

मंधाना नहीं रूकीं। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 79 रन की पारी खेली। दूसरे विकेट के लिए उन्होंने हरमनप्रीत कौर के साथ 42 रन जोड़े। हरमन 19 रन बनाकर आउट हुईं। आखिरी ओवरों में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 22 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 49 रन बनाकर स्कोर 20 ओवर में 3 विकेट पर 216 तक पहुंचाया। उनके साथ भारती फूलमाली 7 रन बनाकर नाबाद रहीं।

श्रीलंका के लिए सुगंधिका कुमारी, कविशा दिल्हारी और चामुंडी प्रबोदा 1-1 विकेट लिया।

217 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर सिमट गई। टीम के लिए कप्तानी चमारी अथापट्टू ने सर्वाधिक 29 रन बनाए। विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिल्हारी ने 11 रन बनाए।

इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज 2 अंकों में प्रवेश नहीं कर सकी। भारत ने 147 रन से बड़े अंतर से मैच जीता।

भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा ने 3, शेफाली वर्मा, श्रेयांका पाटिल और श्री चरणी ने 2-2 विकेट लिए।

भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हर विभाग में पीछे छोड़ा और बड़ी जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। श्रीलंका को रजत पदक दिया जाएगा। इससे पहले हुए मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर कांस्य पदक जीता था।

सोनिया-राहुल से जुड़े केस में 12 अक्टूबर को सुनवाई



नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े धनशोधन मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से ट्रायल कोर्ट के इनकार को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 12 अक्टूबर को तय की है।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने यह तारीख तय की। गांधी परिवार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुनवाई के लिए तारीख मांगी। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय ने मामले में जल्द सुनवाई की जरूरत बताते हुए स्थगन पर आपत्ति जताई। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उसकी चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार किया गया था।

चीनी की कीमतें वैश्विक मांग-आपूर्ति की गतिशीलता से निर्धारित होती हैं, न कि सरकारों से: नितिन गडकरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली



केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि चीनी सहित कृषि उत्पादों की कीमतें अब मुख्य रूप से वैश्विक मांग और आपूर्ति के आधार पर तय होती हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था के मौजूदा दौर में सरकारों की भूमिका इनकी कीमतें निर्धारित करने में सीमित रह गई है।

नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनएफसीएसएफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने यह टिप्पणी उस समय की, जब विभिन्न राज्यों के मंत्री और उद्योग प्रतिनिधि चीनी के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। वर्तमान में घरेलू बाजार में चीनी की खुदरा कीमतें आपूर्ति में कमी के कारण 70 रुपए प्रति किलोग्राम से ऊपर पहुंच चुकी हैं।

गडकरी ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में कृषि उत्पादों की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार का प्रभाव बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि चीनी की कीमतें विशेष रूप से ब्राजील जैसे बड़े उत्पादक देशों के उत्पादन और आपूर्ति रुझानों से प्रभावित होती हैं, जबकि अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें भी वैश्विक बाजार के प्रमुख उत्पादक देशों की स्थिति के अनुसार बदलती रहती हैं।

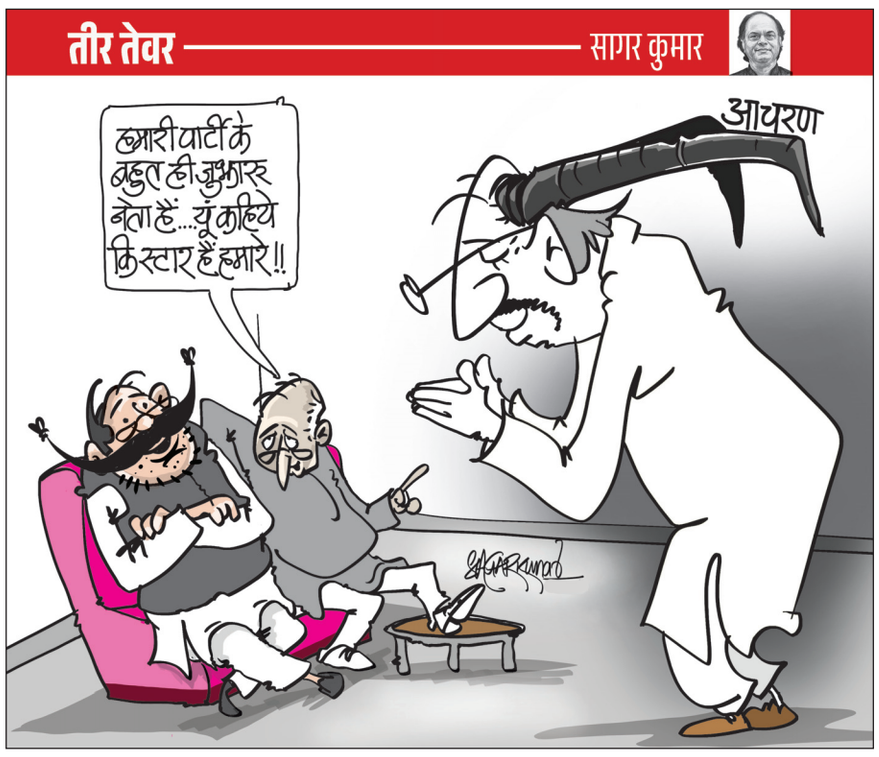
उन्होंने कहा, 'हम अब वैश्विक अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं और ऐसी स्थिति में कोई भी सरकार कृषि उत्पादों की कीमतें तय नहीं कर सकती, भले ही वह ऐसा करना चाहे।' गडकरी ने कहा कि व्यावहारिक परिस्थितियां अक्सर प्रशासनिक रूप से तय कीमतों की मांगों को लागू करना कठिन बना देती हैं।

भारत की प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए गडकरी ने कहा कि ब्राजील को बड़े पैमाने पर मशीनीकृत खेती का लाभ मिलता है, जिससे वहां उत्पादन लागत काफी कम रहती है।

उन्होंने बताया कि ब्राजील में चीनी उत्पादन की लागत लगभग 23 रुपए प्रति किलोग्राम है, जबकि भारत में यह लागत 33-34 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास है। ऐसे में जब ब्राजील में अधिशेष उत्पादन होता है, तो उसका दबाव वैश्विक बाजार के साथ भारतीय बाजार पर भी पड़ता है।

गडकरी ने किसानों की आय और कृषि क्षेत्र की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि कई क्षेत्रों में किसानों की परेशानी का मूल कारण यह है कि खेती अनेक मामलों में आर्थिक रूप से पर्याप्त लाभदायक नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर रहने के बजाय नवाचार और विविधीकरण को बढ़ावा देना होगा। स्थायी समाधान तभी संभव है जब कृषि से जुड़े नए आय स्रोत विकसित किए जाएं। चीनी उद्योग के भविष्य पर बोलते हुए गडकरी ने कहा कि केवल चीनी उत्पादन पर निर्भर रहना अब व्यवहारिक रणनीति नहीं है।

तीर तेवर — सागर कुमार



कार्तिक-यामी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-अभिनेत्री

एजेंसी ■ एकता नगर



गुजरात के केवडिया में मंगलवार को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अभिनेत्री यामी गौतम को 'आर्टिकल 370' और अभिनेता कार्तिक आर्यन को फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड रिसीव करने के लिए अभिनेता कार्तिक आर्यन अपने माता-पिता के साथ पहुंचे थे। वहीं, अभिनेत्री यामी गौतम अपने पति आदित्य धर के साथ पहुंचीं। हिंदी फिल्म 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। फिल्म के प्रोड्यूसर आदित्य धर ने अवॉर्ड प्राप्त किया। हिंदी फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए रणदीप हुड्डा को बेस्ट डेब्यू फिल्म ऑफ ए डायरेक्टर का पुरस्कार मिला। तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट का पुरस्कार मिला। फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कारों की बात करें तो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आनंद एल राय को 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एकता का प्रतीक' के लिए 'बेस्ट डायरेक्शन (नॉन-फीचर)' का नेशनल अवॉर्ड दिया। तेलुगु फिल्म 'कमेटी कुर्रोलु' को बेस्ट तेलुगु फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। ममूटी को मलयालम फिल्म 'ब्रह्मयुगम' के लिए बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला। उन्होंने यह अवॉर्ड कार्तिक आर्यन के साथ शेयर किया। हिंदी फिल्म 'भक्षक' के लिए संजय मिश्रा को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का पुरस्कार मिला। वहीं, दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड प्रदान किया गया। हिंदी फिल्म 'मैदान' के गाने 'जाने दो' के लिए मनोज मुंतशिर को बेस्ट लिरिक्सिस्ट का पुरस्कार मिला। हिंदी फिल्म 'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' के लिए विजय गांगुली को बेस्ट कोरियोग्राफी का पुरस्कार मिला। गाने में तमन्ना भाटिया नजर आई थीं। छत्तीसगढ़ के रामनामी समुदाय पर बनी राम नामी डॉक्यूमेंट्री को 'सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का पुरस्कार' मिला। डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'मैं निदा' को सर्वश्रेष्ठ कला/सांस्कृतिक फिल्म का पुरस्कार मिला है। बेस्ट एडिटिंग का अवॉर्ड मनवीर जसरोतिया को हिंदी फिल्म 'एनडीए' के लिए दिया गया।

कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों को मिला प्रशिक्षण जमीनी स्तर पर काम करेगी कांग्रेस- दीपक बैज

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सभी ब्लॉक अध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण अभियान के तहत अलग-अलग संभागों में ब्लॉक अध्यक्षों को संगठन को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को लेकर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत बस्तर संभाग से की गई थी। इसके बाद दुर्ग, सरगुजा और बिलासपुर संभाग में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंतिम चरण में रायपुर संभाग के ब्लॉक अध्यक्षों के लिए तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसका आज समापन हुआ। रायपुर संभाग के प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने ब्लॉक अध्यक्षों को संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी की रणनीति से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

कांग्रेस की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता में PCC चीफ दीपक बैज ने कहा, पूरे प्रदेश को 5 संभागों में बांटकर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया। 3-3 दिन का हमने सभी संभागों का प्रशिक्षण किया। 307 ब्लॉक अध्यक्ष अब BJP के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। आम जनता के बीच जाकर सरकार की नाकामियां बताएंगे। अब जमीनी स्तर पर कांग्रेस काम करेगी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, धनेंद्र साहू भी मौजूद रहे।

असम घटना पर बैज बोले - जनता के रुझान से डरी है भाजपा

भूपेश बघेल के काफिले पर हमला पर दीपक बैज ने कहा, EX CM भूपेश बघेल और गौरव गोगई के ऊपर असम में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने पथराव किया। ये चिंताजनक बात है। पथराव से कई गाड़ियों के कांच टूटे हैं। असम में लोकसभा के उप चुनाव चल रहे हैं। बीजेपी जनता के रुझान के अनुसार डरी हुई है। बीजेपी कार्यकर्ता हमारे लोगों पर हमला कर रही है। क्या यही लोकतंत्र है? भाजपाइयों में कानून का डर नहीं है। इस घटना की कांग्रेस निंदा करती है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

'गायों को सुरक्षा नहीं दे पा रही सरकार'

बलौदाबाजार-भाटापारा ब्लॉक में बंद गोदाम में 20 गायों की मौत मामले में दीपक बैज ने कहा, पूरे प्रदेश में गायें भूख से मर रही हैं। हाइवे रोड में एक्सीडेंट से गाय मर रही हैं। बिलासपुर, कवर्धा, दुर्ग जैसे कई शहरों में 240 से ज्यादा गाय की मौत हुई है। ये सरकार गाय पर राजनीति करती है और गाय को सुरक्षा नहीं दे पा रही है। गायों के भूखे मरने की नौबत आ गई है। सरकार कुछ नहीं कर रही है।

'TRP बढ़ाने कोर्ट जा रहे अजय चंद्राकर'

स्वतंत्रता दिवस पर वायरल वीडियो के मामले में अजय चंद्राकार के कोर्ट जाने पर दीपक बैज ने कहा, मीडिया में बने रहने के लिए अजय चंद्राकर कोर्ट की शरण ले रहे हैं।

बी-टेक के दो छात्र बने 'चेन स्नेचर', स्कूटी पर निकलकर महिलाओं को बनाते थे निशाना

विश्व केसरी■



रायपुर/भिलाई। पढ़ाई के लिए भिलाई आए दो इंजीनियरिंग छात्र-छात्रा पर चैन स्नैचिंग के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई की है। मामला दुर्ग के सुपेला थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने चैन स्नैचिंग की दो वारदातों का खुलासा करते हुए विक्की नायक (23) और तरूणा सिन्हा (20) को गिरफ्तार किया है। दोनों इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, पैसों की जरूरत और शौक पूरे करने के लिए दोनों ने चैन स्नैचिंग का रास्ता अपनाया।

पुलिस जांच के मुताबिक दोनों सुबह के समय स्कूटी से इलाके में घूमते थे और उन स्थानों पर नजर रखते थे, जहां बुजुर्ग महिलाएं टहलने के लिए निकलती थीं। मौका मिलते ही स्कूटी की रफ्तार बढ़ाई जाती और महिला के गले से सोने की चैन झपटकर दोनों फरार हो जाते 31 जुलाई को प्रियदर्शनी परिसर में 62 वर्षीय गीता देवी सुबह करीब 6:32 बजे घर के सामने टहल रही थीं। पुलिस ने इस घटना की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई।

लड़की चलाती थी स्कूटी, लड़का झपटता था चैन

पुलिस के अनुसार वारदात के दौरान दोनों की भूमिका तय रहती थी। एक आरोपी स्कूटी चलाता था, जबकि दूसरा महिला के पास पहुंचकर चैन झपटता था। पहचान छिपाने के लिए हेलमेट और कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता था।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई सोने की चैन का हिस्सा और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजे जाने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस की जांच में खुला पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक विक्की नायक मूल रूप से बालाघाट, मध्य प्रदेश का रहने वाला है और दुर्ग के तितुरडीह में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था।

कृषि विश्वविद्यालय में 28 से 30 सितंबर तक 'यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव'

राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री एवं वित्त मंत्री शुभारंभ समारोह में रहेंगे मौजूद

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवाओं में नवचार, उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी तथा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 28 से 30 सितंबर 2026 तक 'छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन कृषि मंडपम इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में दिवसीय यूथ कॉन्क्लेव 2026 का उद्घाटन 28 सितम्बर को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रामेन डेका करेंगे तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम और वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं एकमात्र बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर-केंद्रित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ भी किया जाएगा। राज्य में उद्यमिता एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने वाले इस यूथ कॉन्क्लेव में प्रदेश भर से लगभग एक हजार से अधिक नवोन्मेषी युवा उद्यमियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस तीन किया जाएगा।

इलाज के बाद छत्तीसगढ़ लौट रहे किरण सिंह देव, संभालेंगे भाजपा की कमान



विश्व केसरी■

रायपुर। सड़क हादसे में घायल छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव दिल्ली में उपचार के बाद कल छत्तीसगढ़ लौटेंगे। वे दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ निवास से रवाना होकर शाम तक रायपुर पहुंचेंगे। इसके साथ ही BJP प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की अटकलों पर विराम लग गया है। किरण सिंह देव लौटते ही प्रदेश में भाजपा की कमान फिर से संभालेंगे।

सड़क हादसे में घायल हुए थे किरण सिंह देव

बता दें कि किरण सिंह देव 29 जुलाई को परिवार के साथ बागेश्वर धाम से लौट रहे थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के तालबेहट क्षेत्र में झांसी-ललितपुर नेशनल हाईवे-44 पर उनकी इनोवा आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई थी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हुए थे।इसके बाद उन्हें उपचार के लिए दिल्ली ले जाया गया, जहां मेदांता अस्पताल में उनका ऑपरेशन किया गया।

निजी स्कूल प्रबंधन एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा सचिव को लिखा पत्र

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों के बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए की जा रही कार्रवाई के बीच विद्यार्थियों की पढ़ाई और भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं. छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा सचिव को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि कुछ सरकारी स्कूलों में बेहतर रिजल्ट के दबाव में छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी विषय लेने से रोका जा रहा है। संघ ने विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की मांग की है। बेहतर रिजल्ट के दबाव में विषय चयन पर सवाल छीसगढ़ बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं में खराब परिणाम को लेकर सरकारी स्कूलों के प्राचार्यों पर कार्रवाई की जा रही है. इसी बीच निजी स्कूल प्रबंधन संघ ने आरोप लगाया है कि कुछ स्कूलों में बोर्ड परीक्षा के नतीजे बेहतर दिखाने के लिए विद्यार्थियों को अंग्रेजी के बजाय बैंकिंग और फाइनेंस जैसे विषय चुनने के लिए बाध्य किया जा रहा एसोसिएशन का कहना है कि विषय चयन में इस तरह की कथित मनमानी से छात्र-छात्राओं की रुचि और भविष्य की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है. संघ ने सवाल उठाया है कि अच्छे परीक्षा परिणाम के दबाव में विद्यार्थियों को अपनी पसंद का विषय चुनने से रोकना शिक्षा के मूल उद्देश्य के अनुरूप कैसे हो सकता है.

अंग्रेजी विषय नहीं होने से उच्च शिक्षा के अवसरों पर असर

संघ ने अपने पत्र में नर्सिंग और फार्मेसी जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का जिक्र करते हुए कहा है कि कुछ पाठ्यक्रमों में बारहवीं में अंग्रेजी विषय की पात्रता संबंधी शर्तें होती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.....35473..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35473
वार्ड का नाम - 10 - रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R227500100** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KALPNA PAREKH** पिता/पति श्री श्रीमती **VINAY PAREKH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती अंकिता दीक्षित पिता/पति श्री श्रीमती नरेश कुमार दीक्षित ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /..... 35369..../ न. पा. नि. जोन के 9/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35369
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R227500683** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BINOD KUMAR AGRA MODI** पिता/पति श्री श्रीमती **BHAGIRATHI PRASAD AGRAMODI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती तारा देवी नत्थानी पिता/पति श्री श्रीमती मदन गोपाल जी नत्थानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9) -:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.....35275..../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35275
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227000436** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HAMIDE** पिता/पति श्री श्रीमती **MD HAJI YAR MOHHAMAD** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती शेख शब्बीर पिता/पति श्री श्रीमती मोहम्मद हमीद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, वसीयत नामा, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2) - : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर :: -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35596..../ न. पा. नि. जोन क्र. 2/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35596
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांध वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R223B00126** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MRS. ANJANA SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **PRAMOD SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती ज्योति गुप्ता पिता / पति श्री श्रीमती श्री जय प्रकाश गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2) - : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....35599..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35599
वार्ड का नाम 28 - शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R225A00078** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANORAMA RATHI W/O JUGAL KISHORE, SANGEETA RATHI, UJJAWAL RATHI, NAMRATA RATHI, MAYUR RATHI** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. श्री देवानंद नारा पिता- श्री बृजलाल नारा 2. श्रीमती हर्षा नारा पति श्री देवानंद नारा पिता/पति श्री/श्रीमती** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड,जिला बस्तर (छ.ग.)
//उदघोषणा//

रा.प्र.क्र. 2634 / न-121/2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनधर बघेल पिता लहिनधर बघेल जाति माहरा ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड़ जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वंय अथवा अपने चाचा स्व. जोहन बघेल निवासी ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड़ जिला बस्तर (छ.ग.)का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अतः आवेदक /आवेदिका के चाचा स्व. जोहन बघेल पिता स्व. सुकरू बघेल ग्राम सानदेवड़ा का दिनांक 27/11/2022 को मृत्यु हुई है। आवेदक सोनधर बघेल पिता लहिनधर जाति माहरा ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वंय अथवा आवेदक के चाचा जन्म प्रमाण पत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 28/09/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदक पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 08/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड, जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड,जिला बस्तर (छ.ग.)
//उदघोषणा//

रा.प्र.क्र. 2633 / न-121/2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनधर बघेल पिता लहिनधर जाति माहरा ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वयं अथवा अपने चाचा स्व. मंगल निवासी ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर (छ.ग.)का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अतः आवेदक / आवेदिका के चाचस स्व. मंगल बघेल पिता सुकरू बघेल ग्राम सानदेवड़ा का दिनांक 18/12/2016 को मृत्यु हुई । आवेदक सोनधर बघेल पिता लहिनधर जाति माहरा ग्राम सानदेवड़ा तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वंय अथवा आवेदक के चाचा जन्म प्रमाण पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वंय अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियम पेशी दिनांक 28 /09/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 08/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं कार्यपालिका
दण्डाधिकारी करपावण्ड, जिला बस्तर

कार्यालय नगर पंचायत नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)
// ईश्तहार//

Phone/Fa& No. 07700-251887
E-mail-cmonagri84@gmail.com
क्र. 829/न.पं./राजस्व /2020-27
नगरी, दिनांक 18/09/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण 1. श्री नरेन्द्र ध्रुव पिता धनंजय ध्रुव 2. हिरौंदी ध्रुव पति स्व. नीलू ध्रुव जाति गोंड़ निवासी वार्ड कं. 03 नगर पंचायत नगरी, तह. नगरी जिला-धमतरी (छ.ग.) का निवासी है। उनके द्वारा नगर पंचायत नगरी क्षेत्रांतर्गत रामनगर वार्ड कं. 03 जंगलपारा नगरी पर काबिजदार सुशीला ध्रुव पति धनंजय ध्रुव के नाम पुराना मकान मलमा स्थित है। उनका नाम निकाय के कर संग्रहण पंजी वार्ड कं. 03 की मांग संख्या 119 में दर्ज है। आवेदकगण अपनी माता एवं सास स्व. सुशीला ध्रुव के निधन उपरांत मृत्यु प्रमाण-पत्र, पारिवारिक सहमतिनामा एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर निकाय के कर संग्रहण पंजी से उनका नाम विलोपित कर पृथक-पृथक अपना नाम दर्ज करने बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तुत आवेदन के बाबत् यदि उक्त काबिज मलमा पर किसी भी व्यक्ति / संस्था का हितबद्ध हो, तो संबंधित पक्षकार अपना दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 1.9/1.0/2026 तक कार्यालय नगर पंचायत नगरी के राजस्व शाखा में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 18/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के मोहर से जारी किया गया।

मोहर
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत नगरी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं7) : : मंगलम कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35586./ न. पा. नि. जोन नं-7/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35586
वार्ड का नाम - 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717800221** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SANTOSH KUMAR** पिता / पति श्री / श्रीमती **MOHAN LAL BACHHANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती पर्व बच्चानी पिता / पति श्री / श्रीमती पिता संतोष बच्चानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं7) : : मंगलम कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /..35584 / न. पा. नि. जोन 7/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35584
वार्ड का नाम - 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717800222** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SANTOSH KUMAR** पिता / पति श्री / श्रीमती **MOHAN LAL BACHHANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती पर्व बच्चानी पिता / पति श्री / श्रीमती पिता संतोष बच्चानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35577..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35577
वार्ड का नाम 30- शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328800110** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JAI MISHRA** पिता / पति श्री/श्रीमती **KRISHNA KANT MISHRA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती अनिता सोनी पिता / पति श्री/श्रीमती पति अजय सोनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

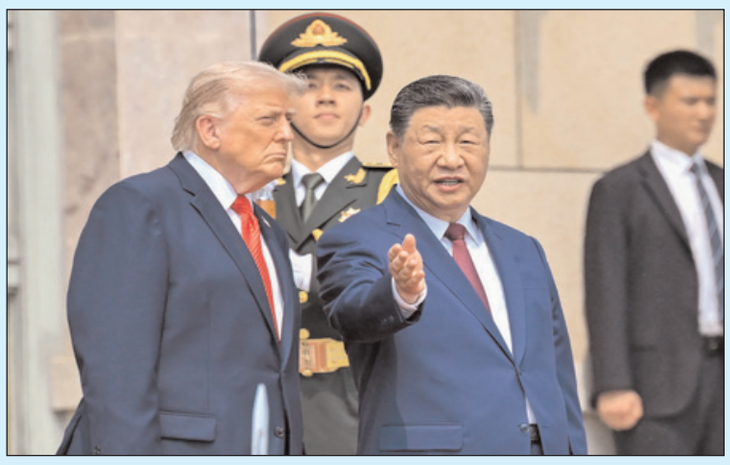
पत्र क्रं /....35505.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 22-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35505
वार्ड का नाम 4 यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR104J0217A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती 1. **SUDESH ARORA W/O INDAR PAL** 2. **KIRAN ARORA W/O SHRAVAN ARORA** 3. **RENU ARORA W/O ASHOK ARORA** पिता / पति श्री/श्रीमती **INDERPAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SUDESH ARORA** पिता / पति श्री / श्रीमती **W/O INDERPAL ARORA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAPATH PATRA, B1** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
**नगर

यूएन महासचिव की कुर्सी पर पेच, अमेरिका-चीन की सहमति से तय हो सकता है नया नाम

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के अगले महासचिव कौन होंगे इसको लेकर चर्चा जोरों पर है। मौजूदा महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल 31 दिसंबर 2026 को समाप्त होगा। नए महासचिव का कार्यकाल 1 जनवरी 2027 से शुरू होना है।

चुनाव की दौड़ अब ऐसे दौर में पहुंच गई है, जहां किसी एक उम्मीदवार पर सहमति बनाने में दुनिया की बड़ी शक्तियों की भूमिका निर्णायक हो सकती है। तीन दौर के गुप्त स्ट्रॉ पोल के बावजूद मौजूदा सात उम्मीदवारों में से कोई भी स्पष्ट बढ़त बनाने में सफल नहीं हो पाया है और संयुक्त राष्ट्र के भीतर इस बात को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि अंतिम फैसला अमेरिका और चीन समेत सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के बीच संभावित समझौते पर निर्भर कर सकता है।

द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा सात उम्मीदवारों के अलावा अंतिम समय में कुछ नए नामों को भी संभावित विकल्प के रूप में चर्चा में लाया जा रहा है। इसकी वजह यह है कि सुरक्षा परिषद के तीन अनौपचारिक मतदान दौर के बाद भी किसी उम्मीदवार को ऐसा समर्थन नहीं मिला है, जिसे स्पष्ट बढ़त माना जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल करीब तीन उम्मीदवारों को ही आवश्यक समर्थन हासिल करने की वास्तविक दौड़ में माना जा रहा है।

महासचिव के चयन की प्रक्रिया में सुरक्षा परिषद की भूमिका बेहद अहम मानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 15 सदस्य होते हैं, जिनमें पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन शामिल हैं। किसी उम्मीदवार को महासचिव पद के लिए आगे बढ़ाने के लिए कम से कम नौ सदस्यों का समर्थन जरूरी होता है और पांच स्थायी सदस्यों में से किसी को भी वीटो का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद सुरक्षा परिषद जिस नाम की सिफारिश करती है, उसे संयुक्त राष्ट्र महासभा औपचारिक रूप से नियुक्त करती है।

इस प्रक्रिया में 'स्ट्रॉ पोल' औपचारिक चुनाव नहीं होते, बल्कि उम्मीदवारों के समर्थन का अंदाजा लगाने के लिए किए जाने वाले गोपनीय मतदान होते हैं। सुरक्षा परिषद के सदस्य किसी उम्मीदवार के सामने 'एंकरेज' (प्रोत्साहित), 'डिस्करेज' (हतोत्साहित) या कोई विकल्प नहीं चुन सकते हैं। इसके आधार पर यह समझने की कोशिश होती है कि कौन उम्मीदवार अंतिम दौर तक पहुंच सकता है।

इस बार की दौड़ में क्षेत्रीय संतुलन भी महत्वपूर्ण है। मौजूदा सात उम्मीदवारों में लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र से कई नाम हैं। इनमें कोस्टा रिका की पूर्व उपराष्ट्रपति और यूएनसीटीएडी की महासचिव रेबेका ग्रिन्सपैन, गुयाना की राजनयिक कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट, अर्जेंटीना के आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी, इक्वाडोर की पूर्व विदेश मंत्री और संयुक्त राष्ट्र महासभा की पूर्व अध्यक्ष मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा तथा इक्वाडोर की पूर्व राजदूत इवोन ए-बाकी शामिल हैं।

ताकत के दम पर लोगों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता: पेजेश्कियन

विश्व केसरी■



तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को कहा कि ताकत का बेजा इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए और उसके बूते लोगों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क रवाना होने से पहले उन्होंने ये बात कही। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र में ईरानी लोगों की शिकायतों, उनके मुताबिक हुई घटनाओं और पैदा हुए अविश्वास का मुद्दा उठाएंगे। ईरानी सरकारी मीडिया ने उनके बयान की जानकारी दी।

तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि पेजेश्कियन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ईरान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और दुनिया के सामने क्षेत्र की वास्तविकताओं तथा ईरानी जनता की आवाज रखने का अवसर है। ईरान ने कई बार बातचीत की मेज पर जाकर समझौते किए, लेकिन बाद में इन समझौतों और प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं किया गया।

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम कई बार बातचीत की मेज पर गए और समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन दुर्भाग्य से पूरी दुनिया ने देखा कि किस तरह प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं किया गया और लिखित समझौतों का उल्लंघन किया गया।' उन्होंने कहा कि किसी भी देश या उसके लोगों को बल प्रयोग के जरिए झुकने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। पेजेश्कियन बोले, 'लोगों को ताकत के जरिए आत्मसमर्पण के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने गाजा, फिलिस्तीन, सीरिया, यमन और ईरान सहित क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में जारी घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं से दुनिया के सामने कई वास्तविकताएं सामने आ रही हैं।

जी7 देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त बयान में हूती हमलों की निंदा

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। जी7 ने सऊदी अरब पर हूती समूह के हमलों की 'कड़े शब्दों में' निंदा की। इसके साथ ही ईरान से भी कहा कि वो हूती को हथियार उपलब्ध कराना बंद करे।

यह अपील तब की गई है जब हूती विद्रोहियों ने एक अहम समुद्री रास्ते पर कब्जा कर लिया है, जिससे ग्लोबल एनर्जी सिक्योरिटी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

न्यूयॉर्क में यूएन जनरल असेंबली से इतर हुई बैठक के बाद मंत्रियों ने संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यमन के हालात 'क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए एक ऐसा खतरा हैं जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। हाल के दिनों में हजारों शरणार्थी यमन से भाग गए हैं। ऐसा तब हुआ जब कथित ईरान-समर्थित समूह ने देश के लाल सागर तट के साथ-साथ बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) के पास के इलाकों पर कब्जा कर लिया, जो वैश्विक व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

यह बयान न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की वार्षिक बैठक से पहले आया है, जिसमें ईरान भी अपना पक्ष रखने वाला है।

अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूके के विदेश मंत्रियों ने कहा, 'हम हूती से अपील करते हैं कि वे तुरंत सभी सैन्य कार्रवाई, नागरिक जहाजों के खिलाफ सभी धमकियां और हमले बंद करें और ईमानदारी से राजनीतिक प्रक्रिया में लौटें। बयान में आगे कहा गया: 'उनकी निंदनीय हरकतें तनाव बढ़ने का एक खतरनाक पैटर्न बनाती हैं, जिससे संघर्ष बढ़ सकता है, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नुकसान पहुंच सकता है।

ब्रिटिश कोलंबिया ने ओपनएआई पर किया मुकदमा

विश्व केसरी■



वैंकूवर। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत ने ओपनएआई और उसके सीईओ सैम ऑल्टमैन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि फरवरी 2026 में टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल में हुए गोलीकांड को रोका जा सकता था, अगर कंपनी ने हमलावर की चैटजीपीटी गतिविधियों के बारे में कानूनी एजेंसियों को सूचित किया होता।

सोमवार को सैन फ्रांसिस्को की संघीय अदालत में दायर मुकदमे में ओपनएआई और ऑल्टमैन को प्रतिवादी बनाया गया है। ब्रिटिश कोलंबिया सरकार ने गोलीकांड के बाद राहत और पुनर्वास पर हुए तथा भविष्य में होने वाले खर्च की भरपाई की मांग की है। इसके साथ ही उसने कैलिफोर्निया स्थित चैटजीपीटी पर ऐसी बातचीत से निपटने के तरीके में बदलाव का आदेश देने की भी मांग की है, जिनमें हिंसा की योजना के संकेत मिल सकते हैं। सीबीसी न्यूज से बात करते हुए ब्रिटिश कोलंबिया की अटॉर्नी जनरल निकी शर्मा ने कहा, 'प्रांत यह जानना चाहता है कि क्या ओपनएआई ने हिंसा के खतरे की जानकारी मिलने के बाद पर्याप्त कदम उठाए थे। प्रांतीय सरकार ने कहा, 'कंपनी के सुरक्षा दल ने हमलावर की चैटजीपीटी पर की गई बातचीत में बंदूक हिंसा से संबंधित चिंताजनक गतिविधि को पहले ही चिन्हित कर लिया था, लेकिन कानून प्रवर्तन को इसकी जानकारी नहीं दी गई।'

मुकदमे के अनुसार, हमलावर जेसी वैन रूटसेलार की चैटजीपीटी गतिविधियों को कंपनी की सुरक्षा टीम ने जून 2025 में ही चिन्हित किया था। आरोप है कि सुरक्षा टीम के सदस्यों ने पुलिस को सूचित करने की सिफारिश की थी, लेकिन कंपनी ने ऐसा नहीं किया। बाद में संबंधित अकाउंट को निष्क्रिय कर दिया गया, लेकिन मुकदमे में दावा किया गया है कि हमलावर ने दूसरा अकाउंट बनाकर चैटजीपीटी का इस्तेमाल जारी रखा।

10 फरवरी 2026 को टंबलर रिज में हुई गोलीबारी में आठ लोगों की मौत हुई थी, जिनमें पांच बच्चे और एक शिक्षक शामिल थे, जबकि 27 लोग घायल हुए थे। हमलावर 18 वर्षीय जेसी वैन रूटसेलार की भी बाद में मौत हो गई थी। ब्रिटिश कोलंबिया सरकार के अनुसार, इस घटना के बाद समुदाय में राहत, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और स्कूल के पुनर्निर्माण सहित कई तरह के अतिरिक्त खर्च सामने आए।

प्रांतीय सरकार का कहना है कि गोलीकांड के बाद टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल की इमारत को गिराने और उसके स्थान पर नया स्कूल बनाने की जरूरत पड़ी।

इसके अलावा इस हादसे की पीड़ित बच्चों, परिवारों और अन्य लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। सरकार इन खर्चों की भरपाई के लिए ओपनएआई से मुआवजा मांग रही है।

मुकदमे में ओपनएआई पर लापरवाही और उत्पाद सुरक्षा से जुड़े कई आरोप लगाए गए हैं। ब्रिटिश कोलंबिया सरकार का दावा है कि कंपनी के पास ऐसे सुरक्षा उपाय लागू करने के विकल्प मौजूद थे, जिनसे हिंसक गतिविधियों से जुड़े जोखिम को कम किया जा सकता था। हालांकि, ये सभी आरोप अभी अदालत में विचाराधीन हैं और उन पर अंतिम न्यायिक फैसला नहीं हुआ है।

पंखिया गैंग के लीडर समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की इटावा पुलिस ने मंगलवार को इकदिल इलाके में मुठभेड़ के बाद पंखिया गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया, जिसमें गैंग का सरगना भी शामिल है। इनके पास से हथियार, गोला-बारूद, सोना, चांदी, नकदी, एक कार और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस गैंग पर कई जिलों में 86 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इस मामले में एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इटावा पुलिस ने मंगलवार को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। एसओजी, सर्विलांस और दावाने पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अंतरजनपदीय स्तर के 6 पंखिया गैंग के सदस्य पकड़े गए हैं। ये सभी बदायूं जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि अपराधियों के कब्जे से पुलिस को 136 ग्राम सोना, 1 किलो 321 ग्राम चांदी के बिस्किट, 307 ग्राम चांदी के आभूषण, 32 हजार 250 रुपए नगद, 2 अवैध तमंचे, भारी मात्रा में कारतूस और थाना इकदिल क्षेत्र में 7 अगस्त को हुई घटना और थाना उसहैत क्षेत्र में चोरी की घटना में इस्तेमाल कार और 1 मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार हुए आरोपियों का लंबा-चौड़ा आपराधिक इतिहास है। इनके विरुद्ध बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, मुजफ्फरनगर, सीतापुर, लखनऊ, फिरोजाबाद, कुशीनगर, कन्नौज, फतेहगढ़, पीलीभीत और बरेली में चोरी, नकबजनी, लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, गैंगेस्टर एक्ट और आम एक्ट के अंतर्गत कई अभियोग पंजीकृत हैं।

इन लोगों ने 7 अगस्त 2026 को जो थाना इकदिल क्षेत्र में घर के अंदर चोरी की थी, उसमें सोने-चांदी के आभूषण और कैश की चोरी को स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त, इन्होंने उसहैत थाना क्षेत्र में जो एक गायत्री शक्ति पीठ से भी कुछ चोरी की थी।

, उसको भी स्वीकार किया है।

उन्होंने कहा कि यह दोनों घटना बहुत ही चुनौतीपूर्ण थी। इसमें हमारी सर्विलांस और एसओजी की टीम ने मेहनत के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें पूरी पुलिस टीम को 25 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

जमुई घटना पर प्रशांत किशोर ने साधा निशाना, बोले-यह कैसा 'मंगल राज'

विश्व केसरी■



पटना। बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ की घटना पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक और विधायक प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा है। उन्होंने सरकार पर कई सवाल खड़े किए।

मीडिया से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, 'नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया जाएगा। बाद में उसे रिहा कर दिया जाएगा। मैं हमेशा कहता हूं कि किस्मत भी एक कारक होती है। बिहार के लोग अब देखेंगे कि ऐसे जघन्य अपराध करने वाले नाबालिग भी कुछ समय बाद रिहा हो जाएंगे क्योंकि उन्हें नाबालिग माना जाता है। यही बात सम्राट चौधरी पर भी लागू होती है। जिन लोगों ने अपराध किए, वे इसलिए छूट गए क्योंकि उन्होंने नाबालिग होने का दावा किया था।'

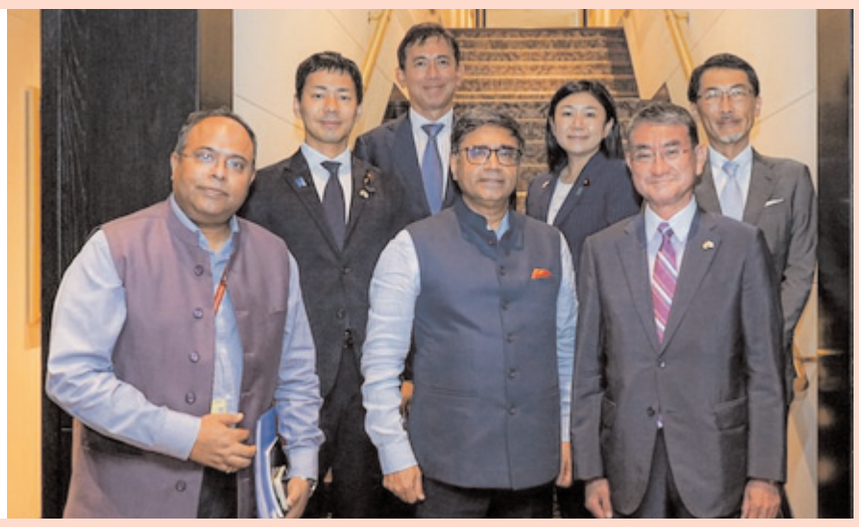
प्रशांत ने कहा, 'अगर घटनाओं की सूची बनाया जाए, तो पिछले छह महीनों में ऐसी कम से कम 20 घटनाएं हुई हैं। इससे वही बात साबित होती है जो मैं बिहार की जनता से बार-बार कहता रहा हूं, अगर आप अपराध और अपराधियों को संरक्षण देंगे और उन्हें वोट देकर मजबूत करेंगे, तो आप अपराध-मुक्त सरकार और समाज की कल्पना भी नहीं कर सकते। जो लोग प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर वोट मांगने आते हैं, उनसे पूछने की जरूरत है कि पीएम इस बच्ची के लिए क्या कहेंगे।'

प्रशांत किशोर ने कहा, 'मैं कह रहा हूं कि जो लोग 20 साल से 'जंगल राज' का डर दिखाकर राज कर रहे हैं, उन्हें अब जवाब देना होगा। हमें बताएं, यह कैसा शासन है? वह जंगल राज था लेकिन यह कैसा 'मंगल राज' है? जहां लड़कियों के साथ खुलेआम छेड़छाड़ और बदसलूकी हो रही है और हत्याएं हो रही हैं। यह कैसा शासन है।'

बिहार के मंत्री श्रवण कुमार के बयान पर प्रशांत किशोर ने कहा, 'यह उनकी सोच को दिखाता है।

विदेश सचिव ने जापानी सांसदों से की बातचीत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को जापान के सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एलडीपी के इंटरनेशनल ब्यूरो के महानिदेशक तारो कोनो ने किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि बैठक में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जापानी सांसदों का यह प्रतिनिधिमंडल 18 से 22 सितंबर तक है। यह यात्रा भारत-जापान डिस्टिंग्विश्ड विजिटर्स प्रोग्राम के तहत आयोजित की गई है। प्रतिनिधिमंडल में तारो कोनो के अलावा एलडीपी पॉलिसी रिसर्च काउंसिल के उपाध्यक्ष केंजी नाकानिशी, एलडीपी इंटरनेशनल ब्यूरो की कार्यवाहक निदेशक और डिजिटल सोसाइटी को बढ़ावा देने वाली समिति की उपाध्यक्ष कैरेन माकिशिमा तथा सांसद साकोन यामामोटो शामिल हैं।

तारो कोनो इससे पहले जापान के रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और डिजिटल मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। भारत दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) का भी दौरा किया। इन दौरों के दौरान भारत की तकनीकी, वैज्ञानिक, अंतरिक्ष और रक्षा क्षमताओं को समझने का अवसर मिला।

विदेश सचिव के साथ बैठक में दोनों पक्षों ने रक्षा, आर्थिक सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा लोगों के बीच संपर्क सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचार किया। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने भारत के डीप-टेक उद्यमिता, अनुसंधान और नवाचार के तेजी से विकसित हो रहे इकोसिस्टम की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने भारत के आर्थिक विकास की गति, विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ती क्षमता और उससे भारत के साथ-साथ उसके साझेदार देशों के लिए पैदा हो रहे अवसरों को भी रेखांकित किया।

मेघालय में पुनर्वास केंद्र खुला, राज्य की सुविधाओं के लिए 'एसओपी' लागू

विश्व केसरी■



गुवाहाटी। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने मंगलवार को पश्चिम गारो हिल्स के तुरा में बल्लोंगरे-गाम्बेग्रे में सेवा इनलैंड-ड्रीम पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया। यह केंद्र मादक द्रव्यों के सेवन से प्रभावित लोगों के लिए उपचार और पुनर्वास सेवाओं को मजबूत करने के राज्य के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

संगमा ने मेघालय भर के पुनर्वास केंद्रों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का भी शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य इन सुविधाओं के संचालन में अधिक एकरूपता और जवाबदेही लाना है।

यह पुनर्वास केंद्र ड्रग रिडक्शन, एलिमिनेशन एंड एक्शन मिशन (ड्रीम) के तहत स्थापित किया गया है, जो राज्य सरकार की एक पहल है। इसका उद्देश्य मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम करना और प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों को उपचार, पुनर्वास और सहायता प्रदान करना है।

मेघालय सरकार ने 2023 में ड्रीम को एक मिशन-मोड कार्यक्रम के रूप में मंजूरी दी थी, जिसका व्यापक उद्देश्य नशामुक्त राज्य की दिशा में काम करना है।

संगमा ने कहा कि इस पहल में पुलिस, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण विभाग, जिला प्रशासन और युवा संगठनों सहित कई सरकारी विभाग और स्थानीय हितधारक, साथ ही समुदाय भी शामिल हैं, ताकि समन्वित दृष्टिकोण के माध्यम से मादक द्रव्यों के दुरुपयोग से निपटा जा सके। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह नया पुनर्वास केंद्र मादक द्रव्यों के दुरुपयोग से प्रभावित लोगों के लिए सहायता, देखभाल और पुनर्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'अधिक स्वस्थ, सुरक्षित और अधिक सहायक मेघालय' बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेगी।

संपादकीय

जमुई से उठता सवाल : स्त्री को सुरक्षा नहीं, स्वायत्तता चाहिए



गोलेन्द्र पटेल

जमुई की घटना को केवल 'छेड़खानी' कहकर सीमित कर देना उस सामाजिक संरचना को नजरअंदाज करना होगा, जिसमें किसी लड़की के शरीर, उसकी स्वतंत्रता और उसके जीवन-निर्णय पर अपना अधिकार समझने वाली पुरुषवादी मानसिकता लगातार निर्मित होती रहती है। यदि सामने आए आरोप और वीडियो में दिखाई देने वाली परिस्थितियाँ जांच में सत्य सिद्ध होती हैं, तो यह केवल कुछ व्यक्तियों का अपराध नहीं, बल्कि उस पितृसत्तात्मक मानसिकता का भी भयावह प्रतिबिंब है जो स्त्री को स्वतंत्र मनुष्य के बजाय नियंत्रित किए जाने वाली देह और 'इज्जत' के प्रतीक के रूप में देखती है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि वह लड़की किसी लड़के के साथ क्यों थी, कहाँ जा रही थी या कितने बजे घर से बाहर थी। मूल प्रश्न यह है कि किसी स्त्री के जीवन, आवागमन, मित्रता और निजी निर्णय पर किसी दूसरे व्यक्ति को हिंसक हस्तक्षेप का अधिकार किसने दिया? सड़क, बाजार, पहाड़, विद्यालय या सार्वजनिक स्थान; कहीं भी स्त्री की नागरिकता कम नहीं हो जाती। स्त्री की स्वतंत्रता किसी पुरुष की अनुमति पर निर्भर नहीं हो सकती।

इस घटना में लड़की का प्रतिरोध और उसके साथ खड़े हुए उस किशोर का साहस भी एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश देता है। महिलाओं की गरिमा की रक्षा केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है। पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व, हिंसा और नियंत्रण नहीं, बल्कि समानता, संवेदनशीलता और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता है। किसी लड़की का सम्मान करना उस पर कोई एहसान नहीं; उसे बराबर मनुष्य मानना लोकतांत्रिक समाज की बुनियादी शर्त है और हमें तमाशबीन समाज के प्रश्न से भी बचना नहीं चाहिए। यदि किसी सार्वजनिक स्थान पर हिंसा और अभद्रता होती रहे और लोग देखते हुए भी आगे न आएँ, तो अपराधी की निर्भीकता केवल अपराधी की समस्या नहीं रह जाती। हालांकि हस्तक्षेप हमेशा जोखिम-मुक्त नहीं होता, पर परिस्थिति के अनुसार पुलिस, आपात सहायता या सुरक्षित तरीके से मदद उपलब्ध कराना नागरिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। इस घटना का एक और चिंताजनक पक्ष है; स्त्री की पीड़ा को तमाशे में बदल देना। यदि आरोपियों ने घटना को रिकॉर्ड किया और उसे प्रसारित किया, तो यह हिंसा को सार्वजनिक अपमान में बदलने की मानसिकता को दर्शाता है। पीड़िता की पहचान, चेहरा या निजी विवरण प्रसारित करना उसके अधिकारों का दूसरा उल्लंघन हो सकता है। इसलिए वायरल सामग्री को साझा करने के बजाय उसे रोकना और जांच एजेंसियों को उपलब्ध कराना अधिक जिम्मेदार व्यवहार है। यहाँ 'इज्जत' की हमारी सामाजिक भाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। किसी लड़की की 'इज्जत' उसके शरीर में बंद कोई ऐसी वस्तु नहीं जिसे कोई दूसरा छीन सके। उसकी गरिमा उसकी मनुष्यता, स्वायत्तता और अधिकारों में निहित है। अपराधी ने उसकी गरिमा पर हमला किया है; पीड़िता ने कोई 'इज्जत' नहीं खोई। इसीलिए समाधान लड़कियों को घर में बंद करने, उनके कपड़े, मित्रता, समय या आवागमन पर पहरा लगाने में नहीं है। समाधान लड़कों और पुरुषों की सामाजिक परवरिश बदलने में है; उन्हें सहमति, समानता, संवेदनशीलता और स्त्री की स्वायत्तता समझाने में है। हमें ऐसी मर्दानगी चाहिए जो किसी स्त्री पर अधिकार जमाने में नहीं, बल्कि उसके अधिकारों की समानता स्वीकार करने में अपना मूल्य देखे।

साथ ही, न्याय का रास्ता भीड़ की हिंसा से नहीं, संविधान और कानून से होकर जाता है। आरोप कितना भी गंभीर हो, किसी व्यक्ति को स्वयं सजा देने का अधिकार भीड़ को नहीं है। निष्पक्ष जांच, पीड़ितों की सुरक्षा, आरोपियों की विधिसम्मत गिरफ्तारी और दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार दंड—यही न्याय का रास्ता है। मृत्युदंड या हिंसक प्रतिशोध की मांग पीड़िता को न्याय देने की जगह कानून के शासन को कमजोर कर सकती है। जमुई हमें एक असुविधाजनक लेकिन जरूरी प्रश्न के सामने खड़ा करता है; हम लड़कियों को सुरक्षित रहने की सलाह कब तक देते रहेंगे और लड़कों को सुरक्षित समाज बनाने की जिम्मेदारी कब देंगे? स्त्री को सुरक्षा के नाम पर स्वतंत्रता से वंचित करना सुरक्षा नहीं, नियंत्रण है। स्त्री को 'बचाना' पर्याप्त नहीं; उसे स्वतंत्र, समान और निर्भय नागरिक के रूप में स्वीकार करना होगा। जब तक स्त्री को मनुष्य से पहले 'देह', 'इज्जत', 'परिवार की प्रतिष्ठा' या 'किसी पुरुष से जुड़ी हुई पहचान' के रूप में देखा जाता रहेगा, तब तक हिंसा की जड़ें बनी रहेंगी। इसलिए संघर्ष केवल अपराधी के विरुद्ध नहीं, उस मानसिकता के विरुद्ध भी होना चाहिए जो अपराध को जन्म देती है, उसे सामान्य बनाती है या उसके बाद भी स्त्री से ही सवाल पूछती है। स्त्री की स्वतंत्रता कोई सामाजिक कृपा नहीं, उसका मानवीय और संवैधानिक अधिकार है। स्त्री की अस्मिता पर पहरा नहीं, उसकी स्वायत्तता का सम्मान चाहिए। न्याय चाहिए, भीड़ का प्रतिशोध नहीं; समानता चाहिए, संरक्षण के नाम पर नियंत्रण नहीं।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल



ललित गर्ग

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिभा की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी।

आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी



पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए।

भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है।

सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है।

साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सीखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा, संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और सरकार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन गलती करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो। जहां शिक्षक की गरिमा सुरक्षित हो, लेकिन शिक्षक की शक्ति निरंकुश न हो। जहां छात्र की आवाज सुनी जाए, लेकिन हर निर्णय सड़क के दबाव से न हो।

आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं-उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है। सवाल यह नहीं कि छात्र आंदोलन क्यों कर रहे हैं या राजनीति क्यों पहुंच रही है, बड़ा सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियां बार-बार पैदा ही क्यों होती हैं? जब तक इस प्रश्न का संस्थागत उत्तर नहीं खोजा जाएगा, तब तक हर नई घटना के बाद विरोध, जांच, आरोप और कार्रवाई का चक्र चलता रहेगा। भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अब इस चक्र से आगे बढ़कर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अनुशासन भी हो, न्याय भी, उत्कृष्टता भी हो और मानवीयता भी। तभी हम विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान बनाने के अपने संकल्प को वास्तविक अर्थ दे सकेंगे।

जेन जी से संवाद हीनता देश की सभ्यता के स्मृति-तंत्र और संस्कारों का कमजोर होना है



संजीव ठाकुर

किसी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति, आधुनिक तकनीक, चमचमाते शहरों और ऊँची इमारतों से नहीं होती। राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी स्मृतियों, संस्कारों, अनुभवों और आने वाली पीढ़ियों के सपनों में होती है। जिस समाज ने अपने अतीत को सम्मान दिया, वर्तमान को संवारा और भविष्य को संस्कार दिए, वही समाज दीर्घकाल तक अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रख सका। बुजुर्ग हमारी बौद्धिक विरासत हैं, महिलाएँ हमारी सांस्कृतिक एवं पारंपरिक शक्ति हैं और बच्चे राष्ट्र के सशक्त भविष्य की आधारशिला हैं। इन तीनों को अलग-अलग देखने के बजाय एक ऐसी जीवन-श्रृंखला के रूप में देखना होगा, जिसमें अतीत का अनुभव वर्तमान के संस्कारों से होकर भविष्य की संभावनाओं में बदलता है। आज हम सूचना के ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ एक क्लिक पर हजारों सूचनाएँ उपलब्ध हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही क्षणों में जटिल प्रश्नों के उत्तर दे सकती है, लेकिन जीवन के अनुभव का कोई डिजिटल विकल्प नहीं है।

एक बुजुर्ग ने जीवन में जितने उतार-चढ़ाव देखे हैं, वे किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं मिल सकते। उन्होंने अभाव का समय देखा, संघर्ष किया, रिश्तों को निभाया, सामाजिक परिवर्तन को अपनी आँखों के सामने घटित होते देखा और अपने अनुभव से परिवारों को संभाला। इसलिए बुजुर्गों को केवल आयु के आधार पर निर्भर व्यक्ति समझना उनके व्यक्तित्व और समाज में उनके योगदान को छोटा करना है। भारतीय परंपरा ने सदैव वृद्धों के अनुभव को महत्व दिया। मनुस्मृति में कहा गया है—

'अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।

चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम॥' अर्थात जो व्यक्ति वृद्धों का सम्मान और सेवा करता है, उसकी आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। आज इस श्लोक को केवल धार्मिक संदर्भ में नहीं, बल्कि सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में भी समझने की आवश्यकता है। बुजुर्गों के पास अनुभव की वह पूँजी है, जिसे अगली पीढ़ी तक पहुँचाना राष्ट्र की बौद्धिक संपदा का संरक्षण है। दुर्भाग्य से आधुनिक जीवन में संयुक्त परिवारों के विघटन, रोजगार के लिए पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने बुजुर्गों के सामने अकेलेपन की समस्या खड़ी की है। कई बार घर में रहते हुए भी वे संवाद से बाहर हो जाते हैं।

समस्या का समाधान केवल वृद्धाश्रम नहीं है। वृद्धाश्रम आवश्यकता की स्थिति में उपयोगी संस्था हो सकता है, लेकिन परिवार का विकल्प नहीं। बुजुर्गों को सबसे अधिक आवश्यकता सम्मान, संवाद, अपनत्व और निर्णयों में सहभागिता की है।महिलाएँ संस्कृति की मौन वाहक होती हैं।भारत की सांस्कृतिक परंपरा को यदि किसी ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है तो उसमें महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। बच्चे की पहली भाषा, पहला संस्कार, पहली प्रार्थना, पहला लोकगीत और परिवार के अनेक रीति-रिवाज अक्सर माँ और दादी-नानी के माध्यम से ही बच्चे तक पहुँचते हैं।

इसलिए महिला को केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित करके देखना उसकी वास्तविक भूमिका को कम करके देखना है।

बोध कथा

जीवन का सत्य

एक व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान की आशा में एक संत के पास पहुंचा। संत ने उसे एक राजा के पास जाने को कहा। वह व्यक्ति राजा के पास पहुंचा। राजा उसे अपने दरबार में ले गया। वहां का दृश्य देखकर वह व्यक्ति दंग रह गया। वहां नर्तकियां नृत्य कर रही थीं। लोग बैठकर मदिरा का सेवन कर रहे थे। वह घबराकर राजा से बोला- महाराज, मैं गलत जगह आ गया हूं। अब यहां मैं एक पल नहीं रुक सकता। मैं तो कुछ जिज्ञासा लेकर आया था पर आप तो स्वयं ही भटके हुए हो तो मुझे क्या मार्ग दिखाओगे।

राजा ने कहा- मैं भटका हुआ नहीं हूं। आपने मेरा बाहरी रूप देखा है। आंतरिक देखोगे तो शायद आपकी राय बदल जाएगी। आप एक दिन रुक जाएं। वह व्यक्ति वहां रुक गया।

उसे एक शानदार कमरे में ठहराया गया। उसमें काफी गद्देदार बिस्तर लगा था। वह व्यक्ति सकुचाता हुआ उस पर सोया। तभी उसकी नजर ऊपर की ओर गई। एक चमचमाती तलवार ठीक उसके सिर पर एक सूत से लटकी थी। अचानक उसके मन में ख्याल आया कि अगर धागा टूट गया तो । वह रात भर इस चिंता में सो नहीं पाया।

सुबह राजा खुद उसके कमरे में पहुंचा। उसने पूछा- अच्छी नींद आई न? इस पर उस व्यक्ति ने कहा- खाक नींद आती। आपने तो ऐसी तलवार टांग रखी है कि नींद उड़ गई। रात भर यही सोचता रहा कि अगर यह गिर जाएगी तो क्या होगा। इस पर राजा ने मुस्कराकर कहा- इसी तरह मौत की तलवार मेरे ऊपर टंगी रहती है। मेरे सामने बहुत सी चीजें रहती हैं पर मेरा ध्यान तो मृत्यु पर रहता है। अगर हर व्यक्ति यह मानकर चले कि सब कुछ के बावजूद मृत्यु ही जीवन का सत्य है तो वह किसी भी चीज में लिप्त नहीं होगा।

कविता

सियासत



बलजीत सिंह बेनाम

सदा से मुल्क़ पर हावी
सियासत!
छुपाए कब छुपी है ये
हक़ीक़त!

हमारे दिल में जब तक
खौफ़ ज़िंदा!
रहेगी हम पे ज़ालिम की
हक़ूमत!

उन्हीं का नाम अब तक सुर्खियों में!
वतन की करते हैं जो भी तिज़ारत!

सुकूँ मैं बाँटता हूँ हर किसी को!
जहां वालों मेरा मज़हब मोहब्बत!

बग़ावत के ज़माने में है जीना!
अगर तो छोड़नी होंगी शराफ़त!

हांसी, हरियाणा

मोबाइल : 9812214462

स्वाभिमानिनी



अंजना संधीर

स्वाभिमानिनी
उसने कहा
द्रौपदी शरीर से स्त्री
लेकिन मन से पुरूष है
इसीलिए पाँच-पाँच पुरुषों के साथ
निष्ठापूर्ण निर्वाह किया।

नरसंहार में भी विचलित नहीं हुई
खून से सींचकर अपने बाल
तृप्ति पाई
फ़िर भूल गई इस राक्षसी अत्याचार को भी
क्या सचमुच?

मन से पुरुष स्त्रियों का यही हाल होता है
हर जगह अपमानित होना होता है
हमेशा निशाना बनना होता है।
मन से स्त्री बने पुरुष को भी

क्यों नहीं स्वीकारते सब?
सत्य ये है कि पुरुष और प्रकृति का भेद
स्वीकार्य है
पुरुष समान स्त्री आकर्षित करती है
अच्छी लगती है लेकिन स्वीकार्य नहीं

व्यंग्य केसरी

राजनीति का साइड इफेक्ट



बेबाक बनारसी

हमारे देश में कुछ नेता निरन्तर प्रगति कर रहे हैं । पहले उन पर चप्पल फेंके जाते थे, अब जूते। समझदार किस्म के विद्रोही लोग 'दुच्चत्व' प्राप्त नेताओं की भी गरिमा का पूरा ध्यान रख रहे हैं। मारना है तो जूते मारो न । सस्ती चप्पल क्या चलाना। लेकिन चिंता की बात ये है कि लोगबाग़ निशाना सही नहीं लगा पा रहे। यहीं पर अपना इंडिया मार खा रहा है। लोग फेंकते हैं नेताओं पर, लेकिन गिरता है चमचों पर। बेचारे चमचो की 'बेइज़्ज़ती खराब' हो जाती है. कमजोर निशाने के कारण ही तो हम लोग निशानेबाज़ी की विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में पिछड़ रहे हैं। छी। वैसे लोग नेताओं पर जूते चप्पल फेंक- फेंक कर अभ्यास तो निरन्तर कर रहे है। उन्हें पक्का विश्वास है कि वे होंगे कामयाब एक दिन।

उस दिन जब नेता जूता खाते-खाते बचा तो मुस्करा कर चमचों की ओर निहारा और बोला, ''देखा, कैसे बचा. यही है राजनीति। इससे क्या सबक मिला, बताओ?'' एक चमचा बोला, ''सौ -सौ जूते खाय तमाशा घुस के देखो वाली कहावत तो सुनी है, लेकिन जूते खाने से बचने के सबक को हम अभी समझ नही पाए हैं.'' नेता ने कहा, ''सीधी-सी बात, जब कभी जूता-भक्षण की नौबत आए तो अपने किसी चमचे को आगे कर दो. मेरे इस बचाव को देख लो. कल जब तुम मेरी तरह बड़े नेता बन कर जूते-चप्पल खाने की नौबत तक पहुंचोगे तो इस सबक को याद रखना। भाषण देते समय कमांडो की तरह नज़र चौकस रखो. क्या पता, कब कोई सरफिरा टाइप का जीव जूते-चप्पल या सड़े अंडे-टमाटर वगैरह फेंक दे।'' चमचे ने पूछा - नेताजी,ऐसी नौबत ही क्यों आती है ? क्या बिना जूते खाए राजनीति में कोई सफल नही हो सकता? आए दिन यही सुनते हैं कि उसे पडी, इसे पडी. मुझे तो डर लगने लगा है. पिछले दिनों घरवाली ने हड़का दिया है कि राजनीति में चमचे बन कर घुस तो गए हो, मगर जिस दिन जूते खा कर घर आओगे, तो मैं मैके चली जाऊंगी, तुम देखते रहियो।। आपके कारण आज मुझे पड़ गई, पड़नी थी आपको। अब घर जाकर पत्नी को क्या मुंह दिखाऊँगा। अगर जूते वाला चित्र कहीं छप गया तो घर पर न जाने कितनी बार 'चप्पलानन्द' मिलेगा, कह नहीं सकता.'' नेताजी हँस कर बोले, ''अरे भोले, राजनीति में आगे बढ़ना है तो जूते, चप्पल आदि के वार से क्या डरना। ये सब तो राजनीति से 'साइड इफेक्ट' हैं पगले. सेना के जवान सीमा पर लड़ कर वीरगति को प्राप्त होते हैं, मगर हमारे जैसे महान नेता को एक-न-एक दिन 'जूतागति' को प्राप्त होना ही पड़ता है। अपनी-अपनी किस्मत. लेकिन जैसे सब्र का फल मीठा होता है, उसी तरह राजनीति में पिटते रहने का फल भी मिलता है। एक दिन वो बहुत बड़ा नेता बन जाता है। महान कवि चुरकुट जी कहते हैं - जूता - चप्पल खाय के, हो नेता सम्मान, जो न इसको पात है, वो न बने महान''. नेता की बात सुनकर चमचे की जिज्ञासा शांत हुई और वह नेता ज़िंदाबाद करने लगा।

इतिहास

23 सितंबर की तारीख देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए जानी जाती है, जिसमें 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध का विराम और प्रसिद्ध हस्तियों के जन्म शामिल हैं।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं 1803: असाए की लड़ाई में ब्रिटिश-भारतीय सेना ने मराठा सेना को हराया था।1889: जापान की प्रसिद्ध वीडियो गेम और प्लेइंग कार्ड कंपनी Nintendo की स्थापना हुई थी।1929: भारत में बाल विवाह निरोधक विधेयक (शारदा कानून) पारित किया गया था।1932: हेजाज और नेद के विलय के बाद सऊदी अरब साम्राज्य की स्थापना हुई थी।1965: संयुक्त राष्ट्र की पहल पर [भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम (सीजफायर)] घोषणा के साथ 1965 का युद्ध समाप्त हुआ था।

डबरीपारा तालाब में अतिक्रमण के प्रयास शुरू, अस्तित्व पर उठे सवाल

विकास के नाम पर जलक्षेत्र कम करने पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। चांटीडीह वार्ड क्रमांक 55 के डबरीपारा स्थित डबरी तालाब में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर तालाब के जलक्षेत्र को ही कम किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर कराए जा रहे इस काम को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि सड़क के विस्तार के लिए क्या तालाब की जमीन और जलक्षेत्र को पाटना ही एकमात्र विकल्प है? जानकारी के अनुसार तालाब के किनारे से मिट्टी और मलबा डालकर करीब 10 फीट तक तालाब के हिस्से को पाटा जा रहा है।



सड़क चौड़ीकरण के नाम पर डबरी तालाब का दायरा घटाने का आरोप

इसके लिए तालाब के सड़क किनारे से अंदर की ओर मिट्टी-मलबा डालते हुए रास्ते जैसी पट्टी बनाई जा रही है। इससे तालाब का वास्तविक जलक्षेत्र लगातार सिकुड़ता दिखाई दे रहा है।

विकास या जलक्षेत्र की कीमत पर विस्तार?

डबरी तालाब क्षेत्र वार्ड क्रमांक 55 परमेश्वरी वार्ड में स्थित है। शहर में जहां एक ओर तालाबों के संरक्षण, जलस्रोतों के पुनर्जीवन और सौंदर्यीकरण की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर सड़क चौड़ीकरण के नाम पर यदि किसी तालाब का हिस्सा ही कम किया जाता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इसे किस तरह का विकास और सौंदर्यीकरण माना जाए। तालाब केवल पानी जमा करने का स्थान नहीं होते, बल्कि वे वर्षाजल के संचयन, भूजल स्तर को बनाए रखने और आसपास के पर्यावरणीय संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में तालाब के जलक्षेत्र में मिट्टी-मलबा डालकर उसका आकार छोटा किया जाना भविष्य में जलभराव और जलसंकट जैसी समस्याओं को भी बढ़ा सकता है।

प्रशासन से स्थिति स्पष्ट करने की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क चौड़ीकरण आवश्यक है तो उसके लिए वैकल्पिक तकनीकी विकल्पों पर भी विचार किया जाना चाहिए। तालाब के मूल स्वरूप और जलधारण क्षमता को प्रभावित किए बिना सड़क निर्माण या चौड़ीकरण की योजना बनाई जा सकती है या नहीं, इसकी तकनीकी जांच जरूरी है। अब सवाल यह है कि क्या डबरी तालाब के हिस्से को पाटने के लिए सक्षम स्तर से अनुमति ली गई है? यदि अनुमति है तो कितने क्षेत्र में तालाब को पाटने की स्वीकृति दी गई है और पर्यावरणीय एवं जल संरक्षण के मानकों का पालन कैसे किया जा रहा है? इन सवालों पर संबंधित विभाग और नगर निगम की ओर से स्थिति स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।शहर में तालाबों को बचाने और उनके संरक्षण की मुहिम के बीच डबरी तालाब के मामले ने विकास कार्यों और जलस्रोतों के संरक्षण के बीच संतुलन को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

गंगलेर पंचायत के कई गांव सुविधाओं के मोहताज, शासन की सुविधाओं पर प्रश्नचिन्ह

बस्तरिया राज मोर्चा के दल के सदस्यों ने मीडिया से बातचीत में दी जानकारी

विश्व केसरी■



कोंटा (अमन भदौरिया)। सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड की गंगलेर ग्राम पंचायत के गंगलेर, सोमलगुड़ा, पोलमपल्ली सहित पंचायत के विभिन्न गांवों में बस्तरिया राज मोर्चा ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी जमीनी समस्याओं को समझा। पूरे दिन ग्रामीणों से चर्चा के दौरान क्षेत्र में बिजली, सड़क, स्कूल, पुल-पुलिया, मोबाइल नेटवर्क, वन अधिकार पट्टा सहित कई मूलभूत समस्याएं सामने आईं।

ग्रामीणों ने बस्तरिया राज मोर्चा के दल को बताया कि आजादी के 80 साल बाद भी पंचायत के कई गांवों में बिजली की सुविधा नहीं पहुंची है। वहीं कई सड़क मार्गों और नालों पर अब तक पुलिया का निर्माण नहीं हुआ है। बारिश के समय नाले पार करने में ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है और कई बार जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है। सोमलगुड़ा के ग्रामीणों ने सड़क और पुलिया के अभाव की समस्या बताई। जरूरी कामों के लिए उन्हें मजबूरी में तेलंगाना की ओर जाना पड़ता है। वहीं पोलमपल्ली गांव में स्कूल नहीं होने, बिजली, सड़क, वन अधिकार पट्टा, मोबाइल नेटवर्क और नालों पर पुलिया नहीं होने जैसी समस्याएं ग्रामीणों ने रखीं। क्षेत्र में मोबाइल टावर की भी जरूरत बताई गई। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लंबे समय से इन मूलभूत सुविधाओं की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ है।

रेल लाइन सर्वे पर सवाल - ग्रामीणों के बीच चर्चा के दौरान यह बात भी सामने आई कि गंगलेर पंचायत में रेल लाईन बिछाने के लिए सर्वे कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब गांवों में आज भी बिजली, स्कूल, सड़क और पुलिया जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, ऐसे समय में बिना ग्रामीणों की मांग के रेल लाइन के सर्वे को लेकर वे चिंतित हैं।

बस्तरिया राज मोर्चा के सवाल- बस्तरिया राज मोर्चा का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी बड़े विकास कार्य को लेकर ग्रामीणों की समस्याओं, जरूरतों और उनकी राय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पहले वर्षों से चली आ रही मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं का समाधान किया जाए, ताकि गांवों के लोगों को सम्मानजनक जीवन और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।बस्तरिया राज मोर्चा ने सरकार और प्रशासन से गंगलेर पंचायत के सभी गांवों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए बिजली, सड़क, स्कूल, पुल-पुलिया, मोबाइल नेटवर्क और वन अधिकार पट्टा सहित सभी मूलभूत सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है।मोर्चा ने कहा कि पूरे पंचायत क्षेत्र की समस्याओं को ग्रामीणों के बीच जाकर समझा गया है और इन समस्याओं को सरकार एवं प्रशासन के सामने मजबूती से रखा जाएगा। ग्रामीणों की जायज मांगों का जल्द समाधान हो, यही बस्तरिया राज मोर्चा की प्राथमिकता है।

चारामा में जागा नगर पंचायत, नालियों में शुरू हुआ मच्छररोधी दवा का छिड़काव

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप और इससे आम नागरिकों को हो रही परेशानी को लेकर दैनिक विश्व केसरी द्वारा प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किए जाने के बाद अब नगर पंचायत चारामा प्रशासन हरकत में नजर आ रहा है। खबर का असर देखने को मिला और नगर के विभिन्न वार्डों में मच्छरों की रोकथाम के लिए नालियों में मच्छररोधी दवा का छिड़काव शुरू कर दिया गया है।

विश्व केसरी खबर का असर



नगर में लंबे समय से नालियों में गंदगी, पानी के जमाव और बढ़ते मच्छरों के कारण नागरिक परेशान थे। शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से लोगों को घरों में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नागरिकों की समस्या को दैनिक विश्व केसरी ने प्रमुखता से उठाते हुए नगर पंचायत प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। समाचार प्रकाशित होने के बाद नगर पंचायत की टीम ने नालियों और मच्छरों के पनपने वाले संभावित स्थानों पर दवा का छिड़काव शुरू किया। इससे नागरिकों में राहत की उम्मीद जगी है। लोगों का कहना है कि मच्छररोधी दवा का छिड़काव नियमित रूप से किया जाए, ताकि समस्या दोबारा गंभीर रूप न ले।

नगरवासियों ने समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित करने और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए दैनिक विश्व केसरी का आभार जताया। वहीं नागरिकों ने नगर पंचायत से मांग की है कि केवल अभियान चलाकर खानापूर्ति न की जाए, बल्कि मच्छरों की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग, नालियों की सफाई और जलभराव वाले स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।

साहू समाज पर अभद्र टिप्पणी, विरोध में युवाओं ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर साहू समाज के लोगों के संबंध में कथित तौर पर अभद्र एवं जातिसूचक टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। टिप्पणी को लेकर साहू समाज के लोगों में नाराजगी देखी गई।

समाज के युवाओं ने शिवरीनारायण थाना पहुंचकर उप निरीक्षक कृष्ण पाल सिंह को ज्ञापन सौंपा और संबंधित युवक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की बताया जा रहा है कि इंस्टाग्राम पर 'अंचल सेवक राम' नामक अकाउंट से साहू समाज को लेकर आपत्तिजनक एवं जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। समाज के युवाओं का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह की टिप्पणी से समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। मामले को लेकर समाज में रोष व्याप्त है तथा युवाओं ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर दोषी के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे युवाओं ने पुलिस को बताया कि सोशल मीडिया वर्तमान समय में लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का प्रमुख माध्यम है। ऐसे में किसी समाज या समुदाय के प्रति अपमान जनकअभद्र अथवा जाति सूचक भाषा का प्रयोग सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकता है। युवाओं ने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकार की टिप्पणियों से आपसी भाईचारे और सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है।साहू समाज के युवाओं ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट और टिप्पणी की निष्पक्ष जांच की जाए तथा यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्रचलित कानून के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में इस तरह की टिप्पणी दोबारा न हो, इसके लिए भी आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई।युवाओं ने कहा कि समाज किसी भी प्रकार के विवाद को बढ़ावा नहीं देना चाहता,लेकिन समाज के प्रति अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उचित कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई करने की मांग की।ज्ञापन सौंपने के दौरान साहू समाज के युवाओं ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। किसी भी समाज, जाति या समुदाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने से पहले उसके सामाजिक प्रभाव को समझना जरूरी है। पुलिस ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।इस बीच दिनेश साहू,तरुण साहू,सुरेश साहू ओम प्रकाश साहू,विनोद साहू,चिरंजीव साहू,मेला राम साहू चंद्रा साहू मौजूद रहे।

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में लगा स्वास्थ्य शिविर

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, शिवरीनारायण में विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

शिविर के दौरान कुल 150 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 50 लैब टेस्ट किए गए। विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में जागरूक किया गया। चिकित्सकीय टीम ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की प्रारंभिक जांच कर आवश्यकता के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय परिसर में ही मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को सहज एवं सुविधाजनक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ मिला। विद्यालय प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करने में सहायक होते हैं।

उपस्थित अधिकारी एवं विद्यालय स्टाफ - शिविर में एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर अनुज कश्यप के साथ एमएमयू की चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य टीम उपस्थित रही। विद्यालय की ओर से प्राचार्य बी. के. देवांगन सहित निम्न स्टाफ उपस्थित रहे। के. पी. साहू ,आर. के. साहू, जी. पी. साहू, टी. आर. कुर्रे, व्ही. एल. जलतारे, एच. सी. देवांगन, सी. एस. देवांगन, व्ही. पी. तिवारी, सविता साहू, उत्तम शर्मा, के. निशा, जागेश्वर सिदार, यू. के. शर्मा।

कंगलू कुम्हार कॉलेज की तीन छात्राओं का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन

विश्व केसरी■



दुर्गूकोंदल (सीताराम शर्मा)। कंगलू कुम्हार शासकीय महाविद्यालय, दुर्गूकोंदल की तीन प्रतिभावान छात्राओं तमन्ना कोमरे, सावित्री एवं प्रीति उइके का चयन राज्य स्तरीय कबड्डी महिला प्रतियोगिता के लिए हुआ है। तीनों छात्राएं अब राज्य स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 23 एवं 24 सितंबर 2026 को छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शासकीय पातालेश्वर महाविद्यालय, मस्तूरी, जिला बिलासपुर में किया जाएगा। जानकारी के अनुसार सेक्टर स्तरीय कबड्डी महिला प्रतियोगिता का आयोजन 15 एवं 16 सितंबर 2026 को शासकीय इंदरू केंवट कन्या महाविद्यालय, कांकेर में किया गया था। प्रतियोगिता में कंगलू कुम्हार शासकीय महाविद्यालय दुर्गूकोंदल की छात्राओं ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ हिस्सा लिया। खेल के दौरान छात्राओं ने बेहतर तालमेल, अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। सेक्टर स्तरीय प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन को देखते हुए तमन्ना कोमरे, सावित्री एवं प्रीति उइके का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। तीनों छात्राओं के चयन की जानकारी मिलते ही महाविद्यालय परिसर में हर्ष का माहौल है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डी. एल. बढ़ाई एवं क्रीड़ा प्रभारी के. एल. मंडावी ने तीनों चयनित छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्र से आने वाली छात्राओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचना उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि छात्राएं राज्य स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी।

आठ माह से पीने के पानी के लिए तरस रहे विद्यालय के बच्चे

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। शासकीय प्राथमिक शाला भाठापारा कोटमी सोनार में पिछले करीब आठ माह से पेयजल व्यवस्था बदहाल है। विद्यालय में वर्तमान में 119 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था नहीं होने के कारण नन्हे बच्चों को पानी पीने के लिए विद्यालय परिसर से बाहर निकलकर दूर जाना पड़ रहा है। इसके लिए उन्हें सड़क तक पार करनी पड़ती है, जिससे किसी भी समय अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है।बताया गया है कि विद्यालय में पेयजल की समस्या को लेकर शिक्षा विभाग एवं पीएचई विभाग को पूर्व में सूचना दी जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में नाराजगी है। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे छोटे हैं। ऐसे में उन्हें पानी के लिए सड़क पार कर बाहर जाना पड़ना सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने से व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से विद्यालय में तत्काल पेयजल की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि बच्चों को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सके और उन्हें पानी के लिए विद्यालय परिसर से बाहर न जाना पड़े।

विद्या भारती मध्य क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता- 2026 का हुआ समापन

विश्व केसरी■



चांपा (नीरज शर्मा)। कोसा, कांसा एवं कंचन की नगरी, चांपा में विद्या भारती मध्य क्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी खेलकूद प्रतियोगिता - 2026 का समापन समारोह दिनांक 21 सितम्बर को सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चांपा के भगिनी निवेदिता सभागार में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण के साथ संपन्न हुआ ।

प्रतियोगिता का आयोजन तिलभांडेश्वर बाल कल्याण समिति तथा विद्या भारती योजना के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर संस्थान के सहयोग से किया जा रहा था।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री माननीय अरुण साव 11: 30 बजें शामिल हुए। विद्या भारती मध्यक्षेत्र क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में उप-मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि खेल , अनुशासन, आत्म-विश्वास और ऊर्जा के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता हैं । सांसद श्रीमति कमेश जांगड़े सहित अतिथियों ने विभिन्न स्थानों से आए हुए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए बधाई एवं शुभकामना दिए तथा विजयी खिलाड़ियों को मेडल्स देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर आयोजित समारोह में सांसद श्रीमति कमलेश जांगड़े , भारतीय कुष्ठ निवारण सघ के प्रमुख सुधीर देव , सरस्वती विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष हनुमान देवांगन, प्रतियोगिता समिति के संयोजक तथा होम्योपैथिक चिकित्सक डॉक्टर शांति कुमार सोनी , विद्यालय के प्राचार्य अश्वनी कुमार कश्यप सहित विद्या भारती के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे । अतिथियों ने विद्या भारती के पदाधिकारियों व गुरुजनों का मार्गदर्शन प्राप्त किया और विजेता खिलाड़ियों को अंत में पुरस्कार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विद्या भारती की दृष्टि से मध्यप्रदेश तीन प्रांत और छत्तीसगढ़ के चार प्रांतों से आए 300 से भी अधिक भैया-बहनों ने तीन दिनों तक चले इस आयोजन में भाग लिया। कक्षा 6 वीं से लेकर 12 वीं तक के छात्र-छात्राओं की अलग-अलग वर्ग में प्रतियोगिता आयोजित हुई , जिसमें 41 आचार्य गणों सहित साढ़े तीन सौ से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए ।

केंद्रीय स्वर्णकार समाज ने सौंपा ज्ञापन

समारोह के अंत में छत्तीसगढ़ केंद्रीय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष जयदेव सोनी, संरक्षक कार्तिकेश्वर स्वर्णकार व स्वर्णकार समाज के प्रचार-प्रसार सचिव शशिभूषण सोनी सहित समाज के संयोजक व पदाधिकारियों में मुख्यत: अनिल कुमार , रमेश कुमार सोनी, सिद्धनाथ सोनी ने उप-मुख्यमंत्री माननीय अरुण साव को समाज के भवन निर्माण कार्य के संबंध में एक सामाजिक ज्ञापन सौंपा।

खंड शिक्षा अधिकारी ने हल्बापारा मिचेसुखई स्कूल का किया आकस्मिक निरीक्षण



विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल (सीताराम शर्मा)। विकासखंड दुर्गूकोंदल में विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों के अधिगम स्तर और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण लगातार जारी है। इसी क्रम में खंड शिक्षा अधिकारी विप्लव कुमार सिंह डे एवं खंड स्रोत समन्वयक लतीफ सोम ने संकुल केंद्र मर्रामपानी अंतर्गत माध्यमिक शाला हल्बापारा मिचेसुखई का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं से अंग्रेजी, विज्ञान एवं गणित विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके विषयगत ज्ञान और समझ के स्तर का आकलन किया गया। गणित विषय में विद्यार्थियों से त्रिज्या किसे कहते हैं जैसे पाठ्यक्रम आधारित प्रश्न पूछे गए, जिनका विद्यार्थियों ने संतोषजनक उत्तर दिया।

मेउभाठा चौक में फल व्यवसायी की मौत

मेउभाठा (नीरज शर्मा)। मेउभाठा चौक में मंगलवार को एक फल व्यवसायी की मौत से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान प्रमोद यादव (35 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रमोद यादव अपनी फल दुकान पर मृत अवस्था में मिले। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस द्वारा घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मौत की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। परिजनों के अनुसार प्रमोद यादव के परिवार में उनकी मां, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में मातम का माहौल है।

तेजी के बाद फिर गिरा बाजार सेंसेक्स 330 अंक लुढ़का

विश्व केसरी



मुंबई। पिछले दिन की बढ़त के बाद हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स में 0.44 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इस तरह निफ्टी50 की चार दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया क्योंकि आईटी और वित्तीय शेयरों में गिरावट आई।

बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 329.91 अंक यानी 0.44 प्रतिशत गिरकर 74,529.08 पर आ गया, जबकि निफ्टी50 85.30 अंक यानी 0.36 प्रतिशत गिरकर 23,329.00 पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 0.08 प्रतिशत और 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी सीमेंट, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली।

निफ्टी50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा कोल इंडिया के शेयरों में 3.2 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, इसके साथ ही इटरनल, इंडिगो, टाइटन और डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे। वहीं इसके विपरीत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, नेस्ले इंडिया, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ग्रासिम, ट्रेंट, आयशर मोटर्स और टीसीएस सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि लगातार चार सेशन की गिरावट के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत फिर से 99-100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई है। वहीं, विदेशी निवेश की निकासी और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता का असर सेंटीमेंट पर पड़ रहा है, जिससे महंगाई और इंपोर्ट कॉस्ट को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

एक्सपर्ट ने बताया कि रुपया 95.8 रुपए प्रति डॉलर के आसपास बना हुआ है, जबकि ग्लोबल रेट्स को लेकर बदलती उम्मीदों के बीच सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है।

मार्केट एक्सपर्ट ने आगे कहा कि निफ्टी के 23,300-23,350 के जोन में रहने के कारण, निवेशकों को शॉर्ट-टर्म रैली के पीछे भागने से बचना चाहिए। उन्हें निवेश को अलग-अलग हिस्सों में बांटना चाहिए, अच्छी कमाई की संभावना वाली मजबूत कंपनियों पर ध्यान देना चाहिए, पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखनी चाहिए और बाजार में बड़ी गिरावट का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त लिक्विडिटी (कैश) रखनी चाहिए।

भारत की जीडीपी ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत की विकास दर वित्त वर्ष 27 में औसत 7.3 प्रतिशत रह सकती है और इसे मजबूत कैपिटल इनफ्लो से सहारा मिलेगा। यह बयान डीबीएस बैंक में अर्थशास्त्री राधिका राव ने मंगलवार को दिया।

भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूती से की है। इस दौरान पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर विकास दर 7.8 प्रतिशत रही, जिसे मजबूत घरेलू मांग, खपत, सरकारी पूंजीगत व्यय और मैन्युफैक्चरिंग का सहारा मिला।

डीबीएस बैंक की सीनियर इकोनॉमिस्ट और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राधिका राव ने कहा, 'जीएसटी कलेक्शन, ई-वे बिल, बिजली की मांग और डिजिटल पेमेंट जैसे हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, वित्त वर्ष27 की दूसरी छमाही में विकास दर के धीमे होने की उम्मीद है, क्योंकि मुश्किल वित्तीय हालात, ऊर्जा की ऊंची कीमतें और बड़ा आधार अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर असर डालेंगे।'

अगस्त में महंगाई दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई। चीनी, दूध, प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों और खाने के तेल जैसी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ ऊर्जा और ट्रांसपोर्ट की लागत बढ़ने से यह दबाव बना। औसत से कम मानसूनी बारिश और अल-नीनो का बढ़ता खतरा आने वाली फसल की पैदावार पर दबाव डाल सकता है।

राव के अनुसार, इन हालात को देखते हुए उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में हेडलाइन महंगाई दर 5 प्रतिशत से ऊपर बनी रहेगी, जिससे मॉनेटरी पॉलिसी का मुख्य ध्यान महंगाई से जुड़े जोखिमों पर रहेगा। इसके अलावा, विदेशी मुद्रा के आने में तेजी से बढ़ोतरी ने भारत के बाहरी बफर को मज़बूत किया है, लेकिन इससे लिक्विडिटी मैनेजमेंट की एक बड़ी चुनौती भी पैदा हुई है।

आरबीआई की स्पेशल स्वैप विंडो के जरिए 143 अरब डॉलर जुटाए गए हैं, जिसमें एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट के जरिए जुटाए गए 133 अरब डॉलर भी शामिल हैं। इससे विदेशी मुद्रा भंडार 780 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। अर्थशास्त्री का कहना है कि साथ ही, बैंकिंग सिस्टम में सरप्लस लिक्विडिटी तेजी से बढ़ी है।

सोने में सीमित दायरे में कारोबार, चांदी 2.40 लाख रुपये प्रति किलो के नीचे

विश्व केसरी



मुंबई। सोने और चांदी मंगलवार को सपाट खुले और शुरुआत कारोबार में दोनों कीमती धातु एक सीमित दायरे में बने हुए थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,53,094 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,53,497 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10 बजे यह 36 रुपये या 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 1,53,058 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,53,005 रुपये प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,53,497 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,39,317 रुपये प्रति किलो के मुकाबले 2,40,529 रुपये प्रति किलो पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 238 रुपये या 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,39,555 रुपये प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,39,400 रुपये प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,40,529 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,347 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, डॉलर इंडेक्स के 100 के ऊपर जाने से सोने की कीमतों में हल्की प्रॉफिट बुकिंग देखी जा रही है। हालांकि, कच्चे तेल की गिरती कीमतें सोने के लिए सकारात्मक बनी हुई हैं और 4,250 डॉलर प्रति औंस का स्तर एक मजबूत टेक्निकल सपोर्ट बना हुआ है। इस हफ्ते अमेरिका से कोई बड़ा आर्थिक डेटा नहीं आने के चलते सोने की कीमतें एक दायरे में रह सकती हैं, लेकिन उनमें उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। कॉमेक्स पर सोना 4,250-4,450 डॉलर प्रति औंस और एमसीएक्स पर सोना 1,51,000-1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की रेंज में रहने की उम्मीद है।

महंगाई के चलते 2026 में दो बार बढ़ सकती है ब्याज दर

विश्व केसरी



नई दिल्ली। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म नोमुरा के ग्लोबल मैक्रो रिसर्च प्रमुख रॉब सुब्बारमन ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि महंगाई का दबाव बढ़ने से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाली दोनों मौद्रिक नीति बैठकों (अक्टूबर और दिसंबर) में ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है। नोमुरा ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि आने वाले महीनों में महंगाई 6 प्रतिशत के पार जा सकती है।

सुब्बारमन ने कहा कि भारत के पास वैश्विक निवेश आकर्षित करने और वैश्विक वैल्यू चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की संभावनाएं हैं।

भारत के पास विभिन्न क्षेत्रों में बड़े अवसर हैं, लेकिन अगर अमेरिका और उत्तर-पूर्व एशिया में एआई निवेश की कहानी बहुत मजबूत बनी रहती है, तो कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में भारत पीछे रह सकता है। उन्होंने कहा कि भारत अधिक पूंजी आकर्षित कर सकता है। एफसीएनआर-बी जमा में उम्मीद से बेहतर प्रवाह देखने को मिला है और मजबूत भुगतान संतुलन अधिशेष की भी संभावना है। सुब्बारमन ने बताया कि बाजारों की नजर संयुक्त राष्ट्र महासभा में होने वाली कूटनीतिक गतिविधियों और इस सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित बैठक पर है। वैश्विक मौद्रिक नीति पर सुब्बारमन ने कहा कि इस साल अमेरिकी फेडरल रिजर्व की कम से कम एक और ब्याज दर बढ़ोतरी की उम्मीद है, जो संभवत: दिसंबर में हो सकती है।

उन्होंने कहा कि अगर महंगाई ऊंची बनी रहती है तो दरों में और बढ़ोतरी का जोखिम है। उन्होंने कहा कि एफओएमसी के ताजा अनुमान व्यापक रूप से सख्त मौद्रिक नीति की दिशा की ओर संकेत करते हैं। 18 नीति निर्माताओं में से 12 ने इस साल एक और दर बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है, जबकि चार ने दो और बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है और केवल दो ने आगे किसी बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं की है।

अमेरिकी फेड ने पिछले सप्ताह अपनी नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी कर इसे 3.75 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के दायरे में कर दिया था।

सुब्बारमन ने कहा कि बाजारों को उम्मीद है कि कूटनीति वैश्विक तनाव और अमेरिका-चीन व्यापार प्रतिबंधों को कम करने में मदद कर सकती है, जिससे ऊर्जा की लागत और लंबी अवधि की बॉन्ड यील्ड में कमी आ सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास अब भी दबाव बनाने की क्षमता है, क्योंकि ऊंची ऊर्जा कीमतें अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ईंधन की ऊंची कीमतें डाउनस्ट्रीम तेल कारोबार पर दबाव डाल रही हैं।

जीएसटी 2.0 ने ऑटो रिटेल की रफ्तार चार गुना बढ़ाई : इंडस्ट्री

विश्व केसरी



नई दिल्ली। फाडा यानी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) के अध्यक्ष साई गिरिधर ने मंगलवार को कहा कि जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद भारतीय ऑटो रिटेल क्षेत्र की वृद्धि दर चार गुना तक बढ़ गई है और वाहन खरीदने की बढ़ी हुई क्षमता (अफोर्डेबिलिटी) मांग को आगे बढ़ाने वाला सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है।

जीएसटी 2.0 की पहली वर्षगांठ पर उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच 11 महीनों में देश में 3 करोड़ से अधिक वाहनों का पंजीकरण हुआ, जो सालाना आधार पर लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है। इसके मुकाबले एक वर्ष पहले समान अवधि में वृद्धि दर 5 प्रतिशत से भी कम थी।

गिरिधर ने कहा कि जीएसटी 2.0 ने छोटे कारों, कम्यूटर दोपहिया वाहनों, ट्रैक्टरों और वाणिज्यिक वाहनों जैसे भारत के बड़े उपभोक्ता वर्ग द्वारा खरीदे जाने वाले वाहनों की ऑन-रोड लागत को स्थायी रूप से कम किया। इससे केवल मांग पहले से आगे नहीं आई, बल्कि बाजार का वास्तविक विस्तार हुआ है।

उन्होंने कहा, 'इस तेज वृद्धि का सबसे बड़ा आधार एक शब्द है - किफायती कीमत।' उन्होंने कहा कि इस सुधार के बाद पहली बार वाहन खरीदने वाले ग्राहकों और लंबे समय से खरीद टाल रहे उपभोक्ताओं की शोरूम में वापसी हुई है।

फाडा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले त्योहारी सीजन में जो मजबूत मांग देखने को मिली थी, वह केवल मौसमी नहीं थी, बल्कि अब उद्योग के लिए नई सामान्य स्थिति (न्यू नॉर्मल) बनती जा रही है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी 2.0 का प्रभाव मौसमी नहीं बल्कि संरचनात्मक रहा है। इसी वजह से वर्ष के दौरान ऑटो उद्योग ने विभिन्न श्रेणियों में अपने सबसे मजबूत बिक्री महीनों का रिकॉर्ड दर्ज किया।

गिरिधर ने बताया कि दोपहिया वाहन, जिन्हें व्यापक जन-आधारित मांग का प्रमुख संकेतक माना जाता है, उन्होंने 2018 के बाद का सर्वोच्च स्तर फिर हासिल कर लिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि यात्री वाहनों के क्षेत्र में पहली बार वैकल्पिक ईंधन आधारित वाहनों ने पेट्रोल वाहनों को पीछे छोड़ दिया है। साथ ही कई श्रेणियों में ग्रामीण बाजारों की वृद्धि शहरी भारत से अधिक तेज रही है।

गिरिधर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को श्रेय देते हुए कहा कि नीतियों के केंद्र में किफायती वाहन उपलब्ध कराने की सोच रखने से ऑटो क्षेत्र में खपत और विकास का नया चक्र शुरू हुआ है।

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वाहन निर्माता अभी भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कमोडिटी लागत और मुद्रा विनिमय दरों से जुड़े दबावों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले एक वर्ष का सबसे बड़ा सबक यही है कि मांग बढ़ाने के लिए किफायती कीमत सबसे शक्तिशाली साधन है।'

स्पाइसजेट की वित्तीय और परिचालन स्थिति पर सरकार की कड़ी नजर, सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं: नागर विमानन मंत्री

विश्व केसरी



नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि सरकार और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) स्पाइसजेट की वित्तीय और परिचालन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में यात्री सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा।

स्पाइसजेट की स्थिति पर सरकार की निगरानी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि डीजीसीए को एयरलाइन के परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन दोनों की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है, ताकि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जा सके।

नायडू ने कहा कि नियामक लगातार स्पाइसजेट के प्रदर्शन की निगरानी कर रहा है और एयरलाइन के साथ नियमित संवाद बनाए हुए है। सरकार भी कंपनी के साथ बातचीत कर रही है और उसे अपनी परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, ताकि वह अपने कारोबार को स्थिर कर सके। स्पाइसजेट पिछले कुछ समय से वित्तीय दबाव, घटते विमान बेड़े और घरेलू बाजार हिस्सेदारी में कमी जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। एयरलाइन परिचालन क्षमता बहाल करने और वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पूंजी जुटाने के प्रयास कर रही है। मंत्री ने बताया कि स्पाइसजेट इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) के तहत वित्तीय सहायता की संभावनाएं भी तलाश रही है। हाल ही में सरकार ने इस योजना का विस्तार कर विमानन क्षेत्र को राहत देने के लिए विशेष प्रावधान किए हैं।

इस महीने सरकार ने ईसीएलजीएस 5.0 को मंजूरी देते हुए विमानन क्षेत्र के लिए 5,000 करोड़ रुपए के लक्षित ऋण समर्थन की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य एयरलाइंस को वित्तीय दबाव कम करने में मदद करना है। सरकार के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की ऊंची कीमतें, हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कमी जैसी वजहों से विमानन उद्योग दबाव में है।

96 प्रतिशत से अधिक यूपीआई ट्रांजैक्शन पर छोटे व्यापारियों को एमडीआर से छूट: एनपीसीआई

विश्व केसरी



नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को कुछ मीडिया रिपोर्टों में किए गए उन दावों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) और उस पर लगने वाला जीएसटी छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डालेगा और डिजिटल भुगतान को महंगा बना देगा।

एनपीसीआई ने स्पष्ट किया कि यह दावा सही नहीं है। एमडीआर केवल 2,000 रुपए से अधिक के व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लागू होगा। 2,000 रुपए तक के सभी यूपीआई व्यापारी ट्रांजैक्शन पर पहले की तरह शून्य एमडीआर रहेगा, इसलिए इन पर जीएसटी का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2,000 रुपए तक के ट्रांजैक्शन यूपीआई मर्चेंट ट्रांजैक्शन वॉल्यूम का 96 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं। इसका अर्थ है कि अधिकांश यूपीआई भुगतान एमडीआर और उससे जुड़े किसी भी जीएसटी दायित्व से मुक्त रहेंगे।

एनपीसीआई ने यह भी कहा कि जिन व्यापारियों की मासिक यूपीआई प्राप्तियां 1 लाख रुपए तक हैं, उन्हें एमडीआर का भुगतान नहीं करना होगा। इसलिए ऐसे छोटे व्यापारियों के लिए एमडीआर पर जीएसटी लगने का सवाल ही नहीं उठता। संस्था के अनुसार, छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने की आशंकाएं तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हैं, क्योंकि अधिकांश ट्रांजैक्शन और छोटे कारोबारी इस व्यवस्था से प्रभावित नहीं होंगे।

एनपीसीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यापारी द्वारा एमडीआर पर जीएसटी का भुगतान किया जाता है, तो इसे अन्य इनपुट टैक्स की तरह उसकी जीएसटी देनदारी के विरुद्ध समायोजित किया जा सकता है। इसलिए जीएसटी की यह राशि अंतत: व्यापारी पर अतिरिक्त लागत के रूप में नहीं पड़ती। इससे पहले वित्त मंत्रालय भी स्पष्ट कर चुका है कि एमडीआर कोई कर नहीं है और न ही यह सरकार या एनपीसीआई द्वारा वसूला जाने वाला शुल्क है। यह राशि भुगतान व्यवस्था से जुड़े विभिन्न भागीदारों, जैसे बैंक, भुगतान सेवा प्रदाता और यूपीआई ऐप प्रदाताओं के बीच वितरित की जाती है, ताकि यूपीआई नेटवर्क का संचालन और विस्तार जारी रखा जा सके। नई व्यवस्था के तहत 2,000 रुपए से अधिक के पी2एम ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा। हालांकि 75,000 रुपए या उससे अधिक के ट्रांजैक्शन के लिए एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन तय की गई है।

बच्चे को फल खिलाएं या जूस पिलाएं? दोनों में है बड़ा फर्क, जानें जूस देने की सही उम्र क्या है? ये रहा 120 रूलवाला नियम



एक साल से कम उम्र के बच्चों को जूस नहीं देना चाहिए. एक साल के बाद भी इसकी मात्रा सीमित रखना जरूरी है. 1 से 6 साल के बच्चों के लिए एक बार में करीब 120 मिलीलीटर से ज्यादा जूस न देने की सलाह दी गई है. उपलब्ध हो तो जूस की जगह पूरा फल बेहतर विकल्प है.

बच्चे को पहली बार जूस कब देना चाहिए, यह सवाल अक्सर तब सामने आता है जब वह दूध के अलावा दूसरी चीजें लेना शुरू करता है. कई माता-पिता फल का जूस इसलिए देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे बच्चे को फल के पोषक तत्व आसानी से मिल जाएंगे. लेकिन जूस और पूरे फल में काफी अंतर होता है. खासकर छोटे बच्चों के मामले में उम्र और मात्रा दोनों का ध्यान रखना जरूरी है. पीडियाट्रिशियन रवि मलिक ने भी बच्चों को जूस देने को लेकर कुछ जरूरी बातें साझा की हैं.

उन्होंने बताया कि किस उम्र से जूस दिया जा सकता है और कितनी मात्रा को सीमित रखना बेहतर है. तो अगर आप भी बच्चे की डाइट में जूस शामिल करने वाले हैं, तो इन बातों पर ध्यान दें.

एक साल से पहले बच्चों को जूस देने से बचें

एक वेबसाइट पर छपे लेख के अनुसार पीडियाट्रिशियन रवि मलिक के मुताबिक, छोटे बच्चों के लिए जूस को हेल्दी विकल्प मान लेना सही नहीं है. अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स यानी ¸क्क की गाइडलाइन के अनुसार, एक साल से कम उम्र के बच्चों को फलों का जूस नहीं देना चाहिए. इस उम्र में बच्चे के लिए मां का दूध या फॉर्मूला मिल्क पोषण का अहम स्रोत होता है. जूस में फल का पूरा हिस्सा नहीं पहुंचता. खासकर जब फल का जूस निकाला जाता है तो उसमें मौजूद फाइबर की मात्रा कम या खत्म हो सकती है. ऐसे में बच्चे को पूरे फल की तुलना में अलग तरह से पोषण मिलता है. जूस का मीठा स्वाद भी छोटे बच्चों के लिए एक अलग स्वाद की आदत बना सकता है.

1 से 6 साल की उम्र में मात्रा रखें सीमित

एक साल की उम्र के बाद भी जूस को बच्चे की डाइट का जरूरी हिस्सा बनाने की जरूरत नहीं है. डॉक्टर रवि मलिक के अनुसार, 1 से 6 साल की उम्र के बच्चों को एक बार में करीब 4 आउंस यानी लगभग 120 मिलीलीटर से ज्यादा जूस नहीं देना चाहिए. यहां यह समझना भी जरूरी है कि कम मात्रा में जूस देना और बच्चे को रोज जूस की आदत डाल देना दो अलग बातें हैं. अगर घर में ताजे फल मौजूद हैं, तो जूस की जगह बच्चे को पूरा फल देना ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है.

पूरे फल और जूस में क्या फर्क है?

पूरे फल को खाने में बच्चे को फल का गूदा और फाइबर भी मिलता है. वहीं जूस बनाते समय फल का ठोस हिस्सा अलग हो जाता है. यही वजह है कि माता-पिता को सिर्फ यह देखकर फैसला नहीं करना चाहिए कि जूस फल से बना है. मिसाल के तौर पर, बच्चा अगर संतरा खा सकता है तो उसे संतरे की फांकें देना और केवल संतरे का रस पिलाना एक जैसी बात नहीं है. पूरे फल को खाने से बच्चे को चबाने की आदत भी विकसित होती है और वह अलग-अलग खाद्य पदार्थों की बनावट से परिचित होता है।

न धूप में रखने की जरूरत, न कई दिन का इंतजार, 5 मिनट में बनाएं हरी मिर्च का चटपटा अचार, जानिए बेहद आसान तरीका



हरी मिर्च का अचार बनाने के लिए हर बार कई दिनों तक इंतजार करना जरूरी नहीं है. हरी मिर्च और कुछ चुनिंदा मसालों से इंस्टेंट अचार कुछ ही मिनटों में तैयार किया जा सकता है. मेथी, जीरा, कलौंजी, राई और आमचूर इसे तीखा और चटपटा स्वाद देते हैं. सरसों का तेल मिर्च और मसालों के स्वाद को और बेहतर बनाने में मदद करता है. इसे दाल-रोटी, पराठे, पूरी या अपने पसंदीदा खाने के साथ परोसा जा सकता है. अचार स्टोर करना हो तो मिर्च, चम्मच और कंटेनर में नमी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए.

अचार का नाम सुनते ही खाने की थाली में एक अलग ही स्वाद महसूस होने लगता है. खासकर हरी मिर्च का तीखा और चटपटा अचार हो तो सादी दाल-रोटी भी मजेदार लगने लगती है. परेशानी तब होती है जब अचार बनाने के लिए लंबी तैयारी, धूप में रखने और कई दिनों तक इंतजार करने का ख्याल आता है. इसी वजह से बहुत से लोग घर पर अचार बनाने से बचते हैं, लेकिन हर अचार के लिए कई दिन इंतजार करना जरूरी नहीं है, अगर आपको तुरंत बनने वाला मिर्च का अचार पसंद है तो यह तरीका काम आ सकता है.

इसमें मिर्च को मसालों के साथ हल्का पकाकर स्वाद तैयार किया जाता है. सही तरीके से रखने पर इसे कुछ समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है.

5 मिनट में कैसे तैयार करें हरी मिर्च का अचार

इस रेसिपी के लिए छोटी और मोटी हरी मिर्च लेना बेहतर रहेगा. ऐसी मिर्च को अचार में आसानी से मसालों के साथ मिलाया जा सकता है. सबसे पहले मिर्च को अच्छी तरह धो लें और पानी पूरी तरह सुखा लें. फिर डंठल हटाकर मिर्च को लंबाई में काट लें. अब कड़ाही को गर्म करें. इसमें मेथी दाना, जीरा और कलौंजी डालकर कुछ देर हल्का भूनें. ध्यान रखें कि मसाले जलें नहीं. मसालों से खुशबू आने लगे तो कटी हुई हरी मिर्च डाल दें. इसे कुछ मिनट चलाते हुए पकाएं, ताकि मिर्च की अतिरिक्त नमी कम हो जाए.

मसालों से आएगा असली चटपटा स्वाद

मिर्च के बाद इसमें पिसा हुआ सरसों दाना या राई डालें. इसके साथ आमचूर पाउडर, हल्दी और स्वादानुसार नमक मिलाएं. अब सभी चीजों को अच्छी तरह चलाएं ताकि मसाले मिर्च पर समान रूप से चिपक जाएं. सरसों और आमचूर का मेल इस अचार को खट्टा, तीखा और चटपटा स्वाद देता है, अगर आपको ज्यादा तीखा स्वाद पसंद है तो मिर्च के चुनाव के हिसाब से तीखापन बढ़ सकता है. इसलिए मिर्च खरीदते समय उसकी तीव्रता का भी ध्यान रखें.

सरसों के तेल से बढ़ेगा स्वाद

अब इसमें सरसों का तेल डालें और धीमी आंच पर मसालों के साथ मिर्च को अच्छी तरह मिलाएं. तेल को बहुत ज्यादा गर्म करने के बजाय मसालों के साथ हल्का पकाना बेहतर रहेगा. इससे मसालों की खुशबू अच्छी तरह उभरती है और मिर्च पर मसाले की परत भी अच्छी तरह बैठ जाती है. यहां एक बात ध्यान रखने वाली है. अचार को लंबे समय तक रखने के लिए सिर्फ तेल डालना ही काफी नहीं माना जाना चाहिए. साफ-सफाई, मिर्च में नमी न रहना और सूखे, साफ कंटेनर का इस्तेमाल भी बहुत जरूरी है।

'हाँ, हम समझदार हुए हैं!' बूढ़ी कहने पर करीना का करारा जवाब, एज-शेमिंग के डर से आजाद होना क्यों है जरूरी?



करीना कपूर ने उम्र पर टिप्पणी करने वालों को ऐसा जवाब दिया, जो सिर्फ एक अभिनेत्री की बात नहीं, बल्कि हर उस महिला की आवाज है जो उम्र बढ़ने को लेकर समाज के बनाए पैमानों से थक चुकी है. आखिर महिलाएं कब तक उम्र छिपाने, जवां दिखने और एज-शेमिंग के डर में जीती रहेंगी?

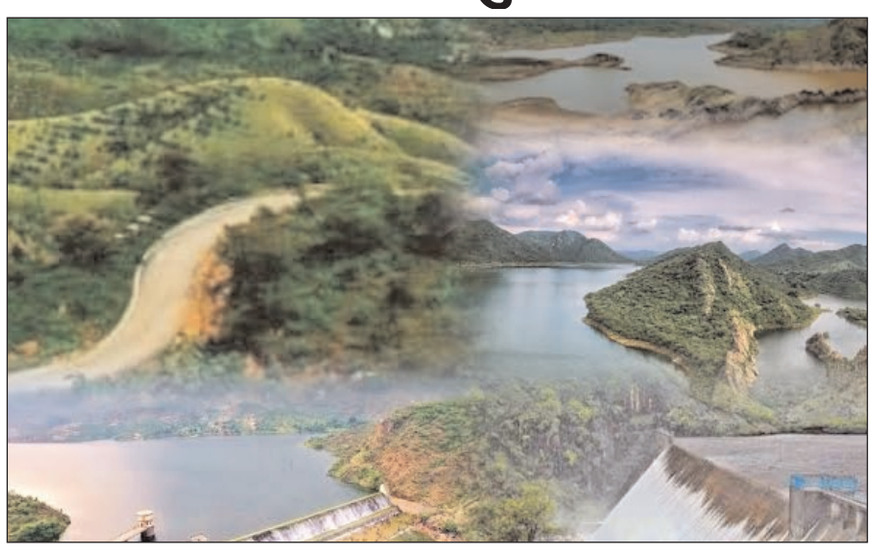
यह किस्सा तब शुरू हुआ जब करीना कपूर खान ने अपनी खास सहेली अमृता अरोड़ा के साथ एक पार्टी की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की. आम तौर पर दो सहेलियों का साथ हंसते-मुस्कुराते वक्त बिताना एक नॉर्मल बात है. लेकिन इंटरनेट की दुनिया अजीब है, यहाँ ट्रोलर्स का एक ऐसा वर्ग हमेशा घात लगाकर बैठा रहता है जिसे दूसरों की खुशियों से ज्यादा उनकी शारीरिक कमियां या उम्र नजर आती है.

तस्वीर सामने आते ही कुछ ट्रोल्स ने कमेंट सेक्शन में दोनों अभिनेत्रियों को 'बूढ़ी' कहकर ट्रोल करना शुरू कर दिया. मकसद साफ था- महिलाओं को यह अहसास कराना कि उनकी जवानी ढल रही है और अब वे इस तथाकथित ग्लैमरस दुनिया के 'लायक' नहीं रहीं. लेकिन इस बार जवाब देने वाली कोई आम महिला नहीं, बल्कि करीना कपूर थीं.

करीना ने इन भद्दे कमेंट्स को नजरअंदाज करने या डिलीट करने के बजाय सीधे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उस ट्रोल का स्क्रीनशॉट शेयर किया और बेबाकी से लिखा:

क्यों किसी को बूढ़ी बोलना एक गाली या बेइज्जती माना जाता है? मेरे लिए यह सिर्फ एक शब्द है, जिसका मतलब है बूढ़ा होना।

उदयपुर से 30 चरूदूर है ये डैम, मानसून में हरियाली और पानी का नजारा देखने पहुंचते हैं पर्यटक



अगर आप मानसून में उदयपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो टीडी डैम एक खूबसूरत विकल्प हो सकता है. उदयपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह बारिश के मौसम में हरियाली, पहाड़ियों और पानी के सुंदर नजारों से आकर्षित करती है. यहां परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक का आनंद लिया जा सकता है. मानसून में डैम का प्राकृतिक सौंदर्य खास तौर पर देखने लायक हो जाता है.

झीलों की नगरी उदयपुर अपनी खूबसूरती के लिए देशभर में पहचानी जाती है. यहां की झीलें, पहाड़ और हरियाली पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं. खासकर मानसून के दौरान उदयपुर और उसके आसपास की खूबसूरती और भी बढ़ जाती है.शहर से कुछ दूरी पर कई ऐसी जगहें हैं, जहां बारिश के मौसम में लोग परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचते हैं. ऐसी ही एक खास जगह है टीडी डैम, जो उदयपुर शहर से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है.

टीडी डैम मानसून के मौसम में घूमने वालों के लिए खास आकर्षण बन जाता है.बारिश के बाद यहां चारों तरफ हरियाली नजर आती है और आसपास की पहाड़ियां भी हरी चादर ओढ़ लेती हैं. डैम में पानी का स्तर बढ़ने के साथ यहां का नजारा और भी खूबसूरत हो जाता है. यही वजह है कि उदयपुर शहर के लोग यहां अक्सर परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने पहुंचते हैं.

पहाड़ियों और पानी का खूबसूरत नजारा

टीडी डैम की सबसे खास बात यहां का प्राकृतिक माहौल है. एक तरफ पानी का खूबसूरत नजारा और दूसरी तरफ चारों ओर फैली हरी-भरी पहाड़ियां इसे पिकनिक के लिए खास बनाती हैं.बारिश के मौसम में यहां ठंडी हवा और बादलों के बीच कुछ घंटे बिताना लोगों को काफी पसंद आता है. मानसून में जब आसपास की पहाड़ियों पर हरियाली छा जाती है, तो यहां आने वाले लोगों को ऐसा लगता है जैसे वे शहर की भीड़ से दूर किसी शांत जगह पर पहुंच गए हों. यही वजह है कि यह जगह उदयपुरवासियों के बीच धीरे-धीरे एक पसंदीदा पिकनिक स्पॉट के रूप में पहचान बना चुकी है.

दूसरे राज्यों से भी पहुंचते हैं पर्यटक

टीडी डैम सिर्फ उदयपुर के लोगों को ही आकर्षित नहीं करता. आसपास के क्षेत्रों के साथ गुजरात और महाराष्ट्र से उदयपुर घूमने आने वाले कुछ पर्यटक भी इस तरह की प्राकृतिक जगहों का रुख करते हैं. खासकर मानसून में जब उदयपुर की झीलें और पहाड़ियां अपने खूबसूरत रूप में नजर आती हैं, तब पर्यटक शहर के साथ-साथ आसपास के डैम और प्राकृतिक स्थलों को भी अपनी घूमने की लिस्ट में शामिल करते हैं.

टीडी डैम आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता

अगर आप भी मानसून के मौसम में उदयपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं और शहर की भीड़ से कुछ समय दूर प्रकृति के बीच बिताना चाहते हैं, तो टीडी डैम आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

लिवर को मजबूत और शरीर को डिटॉक्स करता है भूमि आंवला, आयुर्वेद के अनुसार जानिए इसके 5 बड़े फायदे



बरसात के दिनों में खेतों और खाली मैदानों में उगने वाले जिस पौधे को अक्सर हम बेकार खरपतवार समझकर उखाड़ फेंकते हैं, वह असल में आयुर्वेद का एक छिपा हुआ खजाना है. बात हो रही है 'भूमि आंवला' की-एक ऐसा औषधीय पौधा जो लिवर की सेहत सुधारने, पाचन दुरुस्त करने और यहां तक कि हेपेटाइटिस बी जैसी गंभीर स्थिति में भी बेहद गुणकारी माना जाता है. राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बलिया की चिकित्साधिकारी डॉ. वंदना तिवारी के अनुसार, पारंपरिक चिकित्सा में यह पौधा लिवर और पीलिया के लिए किसी वरदान से कम नहीं है.

बारिश के मौसम में खेतों, खाली जमीन और घरों के आसपास उगने वाले कई पौधों को अक्सर खरपतवार समझकर हटा दिया जाता है. इन्हीं में से एक है भूमि आंवला. यह छोटा दिखने वाला पौधा पारंपरिक रूप से आयुर्वेद में इस्तेमाल किया जाता रहा है. इसे पीलिया, पाचन और लिवर से जुड़ी परेशानियों में उपयोगी माना जाता है. हालांकि, किसी बीमारी के इलाज के लिए इसका इस्तेमाल विशेषज्ञ की सलाह से ही करना चाहिए.

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नगर बलिया की पांच साल अनुभवी चिकित्साधिकारी डॉ. वंदना तिवारी ने लोकल 18 की टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण औषधीय पौधे को ढूंढकर लाया गया है. उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस बी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन उसमें भी भूमि आंवला बेहद लाभकारी और गुणकारी है।

मोतीचूर लड्डू का नया अवतार देख चौंक जाएंगे आप, बचे हुए लड्डुओं को दूध में पकाकर बनाएं बर्फी, हर कोई पूछेगा रेसिपी



बचे हुए मोतीचूर या बेसन के लड्डुओं से दूध और मिल्क पाउडर की मदद से स्वादिष्ट बर्फी बनाई जा सकती है. लड्डुओं को दूध में मैश करके पकाएं, मिल्क पाउडर मिलाएं और मिश्रण को जमाकर टुकड़ों में काट लें. यह आसान तरीका मिठाई को नया स्वाद देता है.

घर में लड्डू बचे हों और उन्हें देखकर मन हो कि इस बार कुछ अलग बनाया जाए, तो उन्हें यूं ही खत्म करने की जरूरत नहीं है. थोड़े से दूध और मिल्क पाउडर की मदद से इन्हीं लड्डुओं को एक नई मिठाई में बदला जा सकता है. यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के काम आ सकता है जिन्हें पारंपरिक मिठाइयों में थोड़ा नया स्वाद आजमाना पसंद है. फूड क्रिएटर निर्मला नहरा ने लड्डुओं से बनने वाली ऐसी ही आसान रेसिपी साझा की है.

इसमें लड्डुओं को दूध के साथ पकाया जाता है और बाद में मिल्क पाउडर मिलाकर मिश्रण को बर्फी की तरह जमाया जाता है. नतीजा एक नरम, दानेदार और मिठास से भरपूर मिठाई के रूप में सामने आता है.

लड्डू से बर्फी बनाने के लिए क्या चाहिए

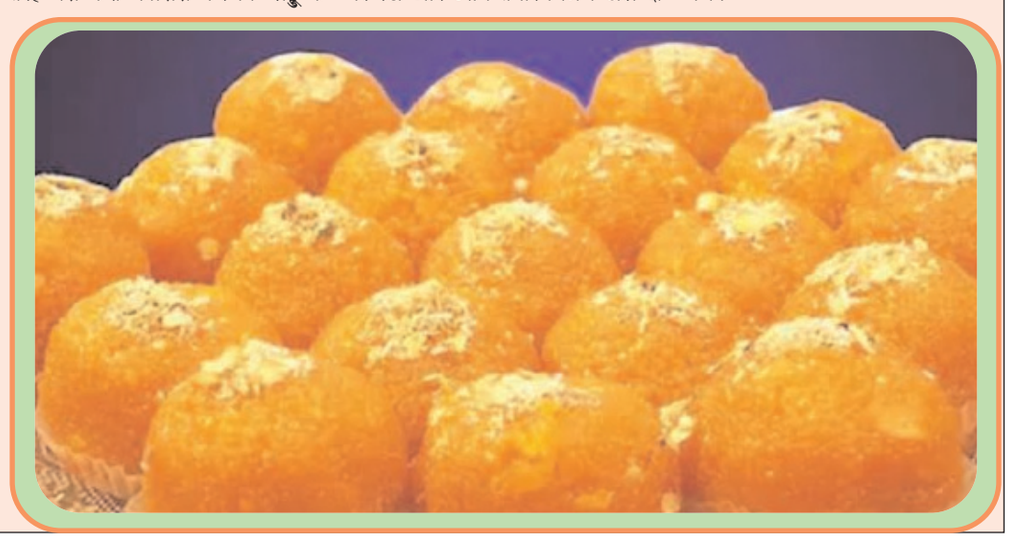
इस मिठाई को बनाने के लिए मोतीचूर या बेसन के लड्डू लिए जा सकते हैं. इसके साथ करीब 1 से 2 कप दूध, आधा चम्मच नींबू का रस और 1 कप मिल्क पाउडर की जरूरत होगी. स्वाद और सजावट के लिए चाहें तो इलायची पाउडर और कटे हुए मेवे भी इस्तेमाल कर सकते हैं. यह रेसिपी बचे हुए लड्डुओं को दोबारा इस्तेमाल करने का एक आसान तरीका है. हालांकि मिठाई की मिठास लड्डुओं पर निर्भर करेगी. इसलिए सामग्री मिलाते समय अतिरिक्त चीनी डालने से पहले स्वाद जरूर देख लें.

लड्डुओं को दूध में अच्छी तरह मैश करें

सबसे पहले लड्डुओं को एक बड़े बाउल में डालें. अब इसमें दूध और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं. पोटैटो मैशर या मथानी की मदद से लड्डुओं को अच्छी तरह मैश करें. कोशिश करें कि लड्डू के बड़े टुकड़े न रहें और दूध के साथ मिलकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार हो जाए. नींबू का रस डालने के बाद मिश्रण का स्वाद और बनावट थोड़ा बदल सकता है. इसलिए इसे बहुत ज्यादा मात्रा में डालने की जरूरत नहीं है.

धीमी आंच पर पकाना है जरूरी

अब एक भारी तले की कड़ाही गैस पर रखें और उसमें तैयार मिश्रण डाल दें. इसे मध्यम से धीमी आंच पर पकाएं. स्पैटुला से मिश्रण को लगातार चलाते रहें ताकि वह कड़ाही के तले में चिपके नहीं. धीरे-धीरे गर्म होने पर लड्डुओं का घी और मिठास दूध के साथ मिल जाएगी. मिश्रण में उबाल आने के बाद यह पहले की तुलना में गाढ़ा दिखाई देने लगेगा. इस दौरान जल्दबाजी में तेज आंच करने से बचें।



'श्री रामायण कथा' में माता सीता बनेंगी अंजलि अरोड़ा

कहा- ईश्वर के आशीर्वाद के रूप में मिला ये रोल



मुंबई। अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा आगामी पौराणिक फिल्म 'श्री रामायण कथा' में माता सीता का किरदार निभाने वाली है। अभिनेत्री का मानना है कि यह रोल उन्हें भगवान राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से मिला है।

हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाती हूं

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाती हैं और प्रार्थना करती हैं कि जो चीज उनके हक की है, वही उन्हें मिले। साथ ही अभिनेत्री ने उस पल को भी याद किया जब निर्देखक अभिषेक सिंह उनके पास इस रोल के लिए आए थे और उन्हें माता सीता के रूप में उनकी एआई से बनी तस्वीर दिखाई थी।



पहले तो मैं खुद को पहचान भी नहीं पा रही थी

अंजलि ने कहा, "जब मेरे लिए यह रोल मेकर्स लेकर आए, तो उन्होंने मुझे मेरी फोटो का एआई वर्जिन दिखाया, जिसे देखकर मुझे हंसी आ गई थी। मैं खुद को पहचान भी नहीं पा रही थी। तो सर ने कहा, 'हां ये तुम ही हो।' शुरूआत में तो मैंने सर से कहा भी था कि क्या आपको सच में लगता है कि मैं ये रोल कर पाऊंगी, तो सर ने मुझसे कहा था कि तुम कर सकती हो।"

ये एक आशीर्वाद है

अंजलि ने बताया कि उन्होंने काफी समय लेने और सोचने के बाद ही इस रोल के लिए हामी भरी थी। उन्होंने कहा, "तो फिर मैंने थोड़ा समय लिया, मैंने सोचा कि अगर मुझे ये चीज मिल रही है तो शायद ये एक क्क आशीर्वाद है। क्योंकि मैं हमेशा हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाती हूं और मैं हमेशा प्रार्थना करती हूं कि मुझे वही मिले जो मेरे हक का है। तो शायद उन्होंने ही आशीर्वाद के रूप में मुझे ये रोल दिया है।"

मां सीता के गुणों को निभाने की कोशिश

अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने मां सीता के रोल को पूरी ईमानदारी से निभाने की कोशिश की है। साथ ही, मां सीता ज़्ज़े जुड़े गुणों को समझने पर काम किया है।

उन्होंने कहा, "मैंने इसे पूरी तरह से खुद निभाने की कोशिश की है। सीता माता का हर गुण, उनका धैर्य, त्याग, हर धर्म के पालन को निभाने की कोशिश की है। जब आप मेरे द्वारा निभाए रोल को सिनेमा में देखेंगी, तो आप बता पाएंगी कि कैसी परफोर्मेंस है। हर एक्टर खुद परफोर्म करता है और अपना बेस्ट देता है। अब ये दर्शकों के हाथ में है कि वो इसे स्वीकार करते हैं या नहीं, क्योंकि उन्हें ये पसंद आ भी सकता है और नहीं भी। हम एक एक्टर के तौर पर, हमें जो किरदार दिया गया है, हम उसके साथ न्याय कर रहे हैं या नहीं, ये हम पर है।"

सलमान खान के समर्थन में उतरे मीका सिंह, बोले- 'मीडिया और कलाकारों को संयम बरतने की जरूरत'

विश्व केसरी



मुंबई। गायक मीका सिंह ने सुपरस्टार सलमान खान के उम्र और शरीर को लेकर होने वाली बेइज्जती के खिलाफ रुख का समर्थन करते हुए कहा कि मीडिया और कलाकारों दोनों को ही इस तरह की हरकतों के मामले में संयम बरतना चाहिए।

सलमान ने हाल ही में 'बिग बॉस 20' के मंच पर इस मुद्दे को उठाया और अभिनेत्रियों की अनुचित कोणों से तस्वीरें खींचने के लिए पैपराजी की आलोचना की। उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए मीका ने कहा कि वह हमेशा सलमान के साथ खड़े रहे हैं और उनकी चिंताओं से सहमत हैं।

मीडिया से बात करते हुए गायक ने कहा, 'मैं हमेशा सलमान भाई का समर्थन करता हूं। उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है, और मैं मीडिया से भी ऐसी हरकतें बंद करने का अनुरोध करूंगा। हालांकि, कुछ कलाकार ऐसे भी हैं जो चाहते हैं कि लोग उनके वीडियो बनाएं या तस्वीरें लें। इसलिए, इसमें दोनों पक्षों की सहमति जरूरी है; दोनों पक्षों को इस पर नियंत्रण रखना चाहिए।'

सलमान खान ने 'बिग बॉस 20 वीकेंड का वार' एपिसोड के दौरान उम्र, वजन, रूप-रंग, पारिवारिक पृष्ठभूमि, पेशेवर असफलताओं या मातृत्व के अनुभवों को लेकर लोगों को ट्रोल करने की प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई। 'टाइगर जिंदा है' अभिनेता ने पैपराजी को भी चेतावनी दी कि वे सेलेब्रिटीज की आपत्तिजनक या अनुचित तस्वीरें न खींचें।

हालांकि 'सुल्तान' अभिनेता ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणियों को व्यापक रूप से कैटरीना कैफ के मां बनने के बाद वजन में आए बदलाव को लेकर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब माना गया।

कुछ दिन पहले, कैटरीना अपने पति विक्की कैफ के साथ गणपति उत्सव में शामिल हुई थीं। इस दौरान, सोशल मीडिया यूजर्स ने मातृत्व के बाद उनके वजन में आए बदलाव को नोटिस किया, जिसके बाद वह ऑनलाइन ट्रोलिंग का निशाना बन गईं। कई सेलेब्रिटीज कैटरीना के समर्थन में आगे आए, जबकि अभिनेत्री ने ट्रोलिंग पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रतियोगियों के साथ ट्रोलिंग के मुद्दे पर चर्चा करते हुए सलमान काफी परेशान दिखे। एक समय तो उन्होंने अपना कोट उतारकर टोपी जमीन पर फेंक दी और अपनी झुंझलाहट जाहिर की।

उन्होंने कहा, 'अचानक सब लोग उम्र की बात करने लगते हैं, कहते हैं कि कोई बूढ़ा हो गया है। आप किसी को किसलिए ट्रोल करना चाहते हैं? उनके वजन के लिए, उनके रूप-रंग के लिए, उनके परिवार के लिए, उनकी मुस्कान के लिए, करियर में असफलता के लिए या मां बनने के लिए? आप तो बस अपनी परवरिश की झलक दिखा रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'हां, मैं 60 साल का हो गया हूं। आप गर्भवती महिला को क्यों ट्रोल करते हैं? गर्भावस्था में हर किसी का वजन बढ़ता है, उसका वजन गर्भावस्था की वजह से बढ़ा है; फिल्मों में वापसी के बाद वह फिर से फिट हो जाएगी।

'छठी मैया' गाने को मिल रहे प्यार पर खुश हुई तमन्ना भाटिया, बोलीं- मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान



विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया आगामी फिल्म 'द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म के जरिए पहली बार हिंदी सिनेमा में इस त्योहार को सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। अभिनेत्री ने फिल्म के मेकर्स की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है और इस त्योहार को पूरी सच्चाई और संवेदनशीलता के साथ दिखाया है।

फिल्म 'द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' का छठ पूजा स्पेशल गाना 'छठी मैया' (बोले तो 'छठी मइया सुनीं लीं विनती हमार) है, जिसमें अभिनेत्री तमन्ना भाटिया पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। गाने को दर्शकों की तरफ से अपार प्रेम मिल रही है, जिस पर खुशी जाहिर तमन्ना भाटिया ने की।

अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने कहा, 'हिंदी सिनेमा में पहली बार छठ पूजा को इस तरह से पेश किया जा रहा है। सच कहूं तो दीपक और अरुणाभ सर इसे बहुत अच्छे से समझते हैं, क्योंकि उनके मन में इसके लिए बहुत सम्मान है। शूटिंग के दौरान उन्होंने हर चीज का ध्यान रखा और इसे बहुत ही खूबसूरती और सम्मान के साथ शूट किया गया।'

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने छठ के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि उनके लिए भी यह त्योहार बहुत मायने रखता है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि गाने में इसके सार और भावनाओं को कितनी खूबसूरती से दिखाया गया है। अभिनेत्री ने कहा, 'छठ पूजा आभार का प्रतीक है। हमारे पास जो कुछ भी है, यह त्योहार उसके प्रति शुक्रगुजार होने का त्योहार है।'

तमन्ना ने इस गाने का हिस्सा बनाने के लिए मेकर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, 'तो, मुझे इसका हिस्सा बनाने के लिए आपका शुक्रिया।

वीजा कैंसिल होने से टली रवीना-राशा की कैलाश यात्रा, एक्ट्रेस बोलीं-महादेव ने बचा लिया



विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थड़ानी महादेव की अनन्य उपासक हैं और अक्सर ज्योतिर्लिंग या महाकाल दर्शन के लिए जाती रहती हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन ने हाल ही में बताया कि वह और उनकी बेटी राशा थडानी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाली थीं लेकिन यात्रा से कुछ समय पहले ही उन्हें अपना प्लान कैंसिल करना पड़ा था।

अभिनेत्री ने यह किस्सा 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के सेमी-फिनाले एपिसोड के दौरान बताया। शो के दौरान अभिनेत्री कहती हैं कि वह अब ईश्वर द्वारा निर्धारित समय पर विश्वास करने लगती हैं, भले ही चीजें प्लान के मुताबिक हो या न हों।

रवीना टंडन ने याद करते हुए बताया कि 2022 में अपने पिता के निधन के बाद उन्होंने 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने और बेटी राशा थडानी ने साथ में कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने का प्लान बनाया था लेकिन उनका प्लान उस वक्त बिगड़ गया, जब यात्रा से ठीक पहले उनका वीजा कैंसल हो गया था।

अभिनेत्री ने बताया कि वीजा कैंसल होने पर उन्हें काफी दुख हुआ था लेकिन उन्हें समझ में आया कि अचानक कैंसिल होने के पीछे कोई वजह जरूर होगी। अभिनेत्री रवीना टंडन ने कहा, 'मैंने इतना बोला कि महादेव का कुछ तो कारण होगा, हमें नहीं जाना है इसके पीछे कोई वजह तो होगी। जब वो बुलाएंगे तब अपने आप हम चले जाएंगे।'

रवीना टंडन ने बताया कि प्लान कैंसिल होने के बाद बेटी राशा ने उन्हें नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में आई भयानक आपदा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'हम बहुत निराश थे कि यात्रा कैंसिल हो गई और दो दिन बाद हमें पता चला कि ग्लेशियर टूट गया। यह मानव निर्मित आपदा थी।'

उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने उनके इस विश्वास को और मजबूत कर दिया कि कभी-कभी एक अनचाहा झटका भी आपकी सुरक्षा बन जाता है। उन्होंने कहा, 'हर स्थिति से आपको बचाने का यह भगवान का तरीका है।' बता दें कि 26 अगस्त को नेपाल के लांगटांग इलाके में भयानक बाढ़ आई थी और नेपाल-तिब्बत बॉर्डर इलाके में बहुत ज्यादा तबाही हुई थी।

रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी का निधन, 75 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री रानी मुखर्जी की मां और पूर्व पार्श्व गायिका कृष्णा मुखर्जी का 75 वर्ष की उम्र में मंगलवार को निधन हो गया। इस मुश्किल घड़ी में परिवार ने लोगों से निजता बनाए रखने की अपील की है।

वाईआरएफ ने सोशल मीडिया पर एक स्टेटमेंट जारी कर सभी को इस बात की जानकारी दी। साथ ही, रानी मुखर्जी के परिवार को थोड़ा सा एकांत देने की भी अपील की। जारी बयान में कहा, 'भारी मन से हम यह साझा कर रहे हैं कि रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी (75) का मंगलवार दोपहर निधन हो गया। परिवार आपके प्यार, प्रार्थनाओं और सहयोग के लिए दिल से आभारी है और इस दुख की घड़ी में निजता का सम्मान करने की विनम्र अपील करता है।'

अभिनेत्री रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी एक पूर्व पार्श्व गायिका थीं। उनका विवाह मशहूर फिल्म निर्देशक और निर्माता राम मुखर्जी से हुआ था। राम मुखर्जी 'फिल्मालय स्टूडियो' के संस्थापक शशधर मुखर्जी के परिवार से ताल्लुक रखते थे। राम मुखर्जी का 2017 में निधन हो गया था। दंपति के दो बच्चे हैं- बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी और फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर राजा मुखर्जी। रानी मुखर्जी अपनी मां कृष्णा मुखर्जी के बहुत करीब रही हैं और कई मौकों पर उनके साथ नजर भी आई हैं। मां-बेटी के बीच काफी करीबी रिश्ता था, जिसका जिक्र रानी ने कई बार किया था। रानी मुखर्जी ने एक इंटरव्यू में अपने जन्म का किस्सा भी शेयर किया था।

कैटरीना की ट्रोलिंग पर भड़कीं परिणीति चोपड़ा, बोलीं-मां बनने के बाद शरीर में आए बदलाव खूबसूरत, इस पर टिप्पणी क्यों?

विश्व केसरी



मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं, खासकर पोस्टपार्टम महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया। अभिनेत्री ने पोस्टपार्टम (प्रसव के बाद की अवधि) के दौरान महिलाओं के शरीर के बारे में होने वाली चर्चा को 'अजीब' बताया और सवाल किया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, 'मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूं। सच कहूं तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती ही नहीं हूं और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूं, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूं।'

अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रोलर्स से परेशान नहीं होती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है।'

पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरीना कैफ की ट्रोलिंग पर परिणीति ने कहा कि इस तरह की बातें उन्हें अनपढ़ों वाली लगती हैं। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, '2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं। मैं समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है।'

अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे सच में समझ नहीं आता कि अगर एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया है तो उसके शरीर पर जो निशान हैं, उसमें निगेटिव क्या है। ये तो खूबसूरत निशान हैं। जैसे आप मालदीव जाते हैं और आपकी स्किन टैन हो जाती है, तो वो इस बात का सबूत है कि आप मालदीव गए थे। आप जिम जाते हैं तो आपके एब्स बनते हैं तो फिर 9 महीने तक एक इंसान को अपने अंदर पालने से आपके शरीर में जो जरूरी बदलाव आते हैं, जो एक हेल्दी बच्चे के लिए जरूरी हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर और विसेग्राड-4 देशों की बैठक, भारत को उभरता हुआ सुपरपावर बताया

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और मध्य यूरोप के 'विसेग्राड 4' (वी4) देशों के नेताओं ने पहली बार बैठक की। इसे एक नया ऐतिहासिक अवसर बताया गया, जिससे इन देशों के साथ भारत के रिश्तों को और आगे बढ़ने की उम्मीद है।

बैठक बुलाने वाले स्लोवाकिया के विदेश मंत्री जुराज ब्लानार ने भारत को 'उभरती हुई सुपरपावर' बताया। उन्होंने वी4 देशों की ओर से कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत को स्थायी सदस्यता दिए जाने का समर्थन करते हैं। 'विसेग्राड 4' में स्लोवाकिया, हंगरी, पोलैंड और चेक रिपब्लिक (चेकिया) शामिल हैं। भारत के इन चारों देशों के साथ अलग-अलग तौर पर कई दशकों से करीबी संबंध रहे हैं।



ब्लानार ने पत्रकारों से कहा, 'हम चारों देश इस बात पर सहमत हैं कि ग्लोबल साउथ का हिस्सा और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उभरती हुई सुपरपावर भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के तौर पर जगह मिलनी चाहिए।' बैठक के नतीजों के बारे में जयशंकर ने कहा, 'हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि क्योंकि यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं, इसलिए वी4 देशों के साथ भी हम कुछ खास पहल करेंगे, जिनमें हर साल एक बिजनेस फोरम आयोजित करना शामिल है।'

जयशंकर ने बताया कि चारों देशों के विदेश मंत्री हर साल बैठक करने पर भी सहमत हुए हैं। दोनों पक्ष टेक्नोलॉजी और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। इन क्षेत्रों में भारत और वी4 देश पहले भी साथ मिलकर काम कर चुके हैं। जयशंकर ने कहा कि टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में और ज्यादा सहयोग की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

उन्होंने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में वी4 के सभी देशों के साथ हमारा बहुत मजबूत इतिहास रहा है। हम इस पुराने सहयोग को फिर से नई रफ्तार देना और आगे बढ़ाना चाहते हैं। वी4 देशों के साथ सहयोग की संभावनाओं के बारे में जयशंकर ने कहा कि ये मजबूत औद्योगिक अर्थव्यवस्थाएं हैं और इनके पास इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बेहतरीन प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

जयशंकर के साथ वी4 की बैठक में हंगरी की उप प्रधानमंत्री अनीता ओरबान, पोलैंड के उप प्रधानमंत्री राडेक सिकोरस्की और चेक रिपब्लिक के उप प्रधानमंत्री पेट्र माकिंका ने अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व किया।

किम जोंग उन ने 'वैचारिक तौर-तरीकों में बदलाव' का किया आह्वान

विश्व केसरी■



सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा है कि वे 'समय की मांग' के मुताबिक पार्टी के प्रचार और वैचारिक अभियान को नए सिरे से तैयार करें।

योनहाप ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि सोमवार को सूचना क्षेत्र के अधिकारियों के लिए पार्टी की तीसरी कार्यशाला के समापन भाषण में किम ने 'वैचारिक कामकाज की सामग्री, स्वरूप, तरीकों और साधनों' को आधुनिक बनाने के लिए 'सिद्धांतों से जुड़े मुद्दों' और कार्यों को रेखांकित किया।

उन्होंने 'सूचना और प्रेरणा के काम में नवाचार और संस्कृति के निर्माण' का आह्वान किया और जोर दिया कि ये 'समय, क्रांति और लोगों की उम्मीदों' के अनुरूप हों। खासकर, किम ने 'प्रतिक्रियावादी वैचारिक संस्कृति के प्रसार को पूरी तरह से रोकने' के लिए 'आधुनिक सूचना और तकनीकी साधनों' के इस्तेमाल का आह्वान किया; इस कदम को बाहरी विचारों और प्रभावों के प्रवाह को अधिक प्रभावी ढंग से रोकने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, चार दिन तक चली यह कार्यशाला सोमवार को संपन्न हुई। यह कार्यशाला किम के 'क्रांतिकारी विचारों' और 'पार्टी की क्रांतिकारी विरासतों और नेतृत्व की उपलब्धियों' पर आधारित वैचारिक शिक्षा पर केंद्रित थी।

प्रतिभागियों से आग्रह किया गया कि वे 'वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के नौवें कांग्रेस के फैसलों को लागू करने के लिए जनता को प्रेरित करने हेतु सूचना और प्रचार अभियान को तेज करें' और हर क्षेत्र व इकाई के हिसाब से वैचारिक कामकाज को तैयार करें।

संक्षिप्त खबर

कैलिफोर्निया में जंगल की आग बुझाने में क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर, दो पायलटों की मौत

विश्व केसरी■



सैक्रामेंटो। अमेरिका के कैलिफोर्निया में योसेमाइट नेशनल पार्क में लगी 'डोम फायर' (जंगल की आग) को बुझाने में मदद कर रहा एक कॉन्ट्रैक्ट हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई। अलास्का डिवीजन ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन ने सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, एजेंसी ने बताया कि हादसा रविवार को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर करीब 2:55 बजे कैलिफोर्निया के मैरिपोसा काउंटी में हुआ। हेलीकॉप्टर में दो लोग सवार थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड हादसे की जांच कर रहे हैं। डोम फायर से निपटने की जिम्मेदारी संभाल रही कैलिफोर्निया कॉम्प्लेक्स इंसिडेंट मैनेजमेंट टीम 3 के प्रवक्ता के मुताबिक, हेलीकॉप्टर से आग पर पानी डालने के काम किया जा रहा था। हादसे के समय पानी से भरी बाल्टी की मदद से आग पर पानी गिराया जा रहा था। इसी दौरान हेलीकॉप्टर योसेमाइट में लेक ऑस्ट्रैंडर के दक्षिण-पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अलास्का डिवीजन ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन ने मारे गए पायलटों में से एक की पहचान ग्रेग किंग के रूप में की।

पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, नाबालिग के कब्जे से 16 लाख के आभूषण और नकदी बरामद

विश्व केसरी■

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने चोरी की एक घटना का खुलासा करते हुए एक नाबालिग आरोपी को पुलिस हिरासत में लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 16 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और 1,09,650 रुपए नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से की गई। पुलिस के मुताबिक, 20 सितंबर को एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-39 में अपने घर से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलिजेंस के साथ इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस का सहारा लिया और महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई। जांच के आधार पर पुलिस टीम ने 22 सितंबर को सेक्टर-47/48 क्षेत्र से एक नागालिग आरोपी को नियमानुसार पुलिस संरक्षण में लिया। पुलिस का दावा है कि उसके पास से चोरी किए गए आभूषण और नकदी बरामद हुई है। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 16 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस द्वारा जारी बरामदगी विवरण के अनुसार, नाबालिग के कब्जे से सोने के एक गले के हार, दो हाथ के कंगन, दो मंगलसूत्र, तीन चेन, एक मांग का टीका, एक नाक की नथुनी, दो अंगूठियां, एक ओम पेंडल और तीन जोड़ी झुमके बरामद किए गए हैं।

ईंधन की बढ़ती कीमतों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराना मूर्खता का स्पष्ट लक्षणः इस्माइल बाघेई

विश्व केसरी■



तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ईंधन की बढ़ती कीमतों के लिए ईरान को दोषी ठहराने वाले अमेरिका के बयान को 'मूर्खता की राह' का एक स्पष्ट लक्षण बताया है।

उन्होंने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और संकट की असली वजह अमेरिका की ओर से किया गया युद्ध है, जिस कारण होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ। बाघेई ने अमेरिकी रवैये की तुलना 1939 में हिटलर के पोलैंड हमले से की।

बाघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'अमेरिकी अधिकारी ईंधन की बढ़ती कीमतों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, मानो लोगों की याददाश्त इतनी कमजोर हो कि वे भूल जाएं कि असल में हमले वाला युद्ध किसने शुरू किया था और किसके कदमों की वजह से ऐसा संकट पैदा हुआ, जिसके बाद होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ और कारोबारी जहाजों की आवाजाही में रुकावट आई।''

उन्होंने कहा कि यह कोई नई चाल नहीं है। 1939 में हिटलर ने भी पोलैंड पर अपने हमले को इसी तरह अपनी सुरक्षा के लिए उठाया गया कदम बताने की कोशिश की थी। बाघेई ने कहा कि जब अपनी मर्जी से गैरकानूनी युद्ध शुरू करने वाला ही उसके नतीजों के लिए पीड़ित पक्ष को दोषी ठहराने लगे, तो क्या इसे 'रणनीतिक समझदारी' कहा जाना चाहिए या फिर यह बस 'मूर्खतापूर्ण कदम' की साफ मिसाल? इससे पहले बाघेई ने अमेरिका पर मीडिया दल को वीजा न देने को 'सच को छिपाने' का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की ओर से पत्रकारों और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा में जा रहे मीडिया दल को वीजा जारी करने से इनकार करना 'सच को छिपाने' का प्रयास है।

बाघेई ने एक अन्य 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'अमेरिका ने उन पत्रकारों के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं।

तुर्की में स्कूल के बाहर गोलीबारीः 11 छात्र घायल दो की हालत गंभीर, हिरासत में संदिग्ध

विश्व केसरी■



अंकारा। पश्चिमी तुर्की में मंगलवार को एक हाई स्कूल के बाहर की गई गोलीबारी में 11 छात्र घायल हो गए। इनमें से 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। बाद में पुलिस ने नाबालिग हमलावर को हिरासत में ले लिया।

टर्किश टुडे न्यूज आउटलेट के अनुसार, न्याय मंत्री अकिन गुरलेक ने बताया कि मंगलवार को तुर्की के पश्चिमी मनिसा प्रांत में एक वोकेशनल हाई स्कूल के बाहर सड़क पर एक अज्ञात हमलावर ने गोलीबारी की, जिसमें 11 छात्र घायल हो गए और उनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्होंने यह भी बताया कि नाबालिग हमलावर को उसके माता-पिता के साथ हिरासत में ले लिया गया है।

इस साल शूटिंग की ये तीसरी बड़ी वारदात है। अप्रैल में दक्षिणी तुर्की में लगातार दो दिनों में हुए हमलों ने लोगों में काफी गुस्सा पैदा किया था। तुर्की की समाचार एजेंसी आईएचए और प्राइवेट चैनल एनटीवी सहित कई मीडिया संस्थानों ने बताया कि घायलों में छात्र भी शामिल थे। डीएचए समाचार एजेंसी ने कथित हमलावर का सीसीटीवी फुटेज जारी किया। हमलावर को काली रंग की जींस, काली जैकेट और हरे रंग का टॉप पहने सड़क पर चलते देखा जा सकता है और उसके हाथ में राइफल जैसा कोई हथियार भी दिख रहा है।

आईएचए के पास भी संदिग्ध जैसी दिखने वाली एक तस्वीर थी जिसके हाथ में बंदूक थी, हालांकि इस बार वह भागता दिखा। स्कूल के बाहर के फुटेज में पुलिस को सफेद शर्ट पहने एक व्यक्ति को जमीन पर गिराते और फिर उसे ले जाते हुए दिखाया गया। इस दौरान एक महिला चिल्ला रही थी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एनसी विधायकों ने की शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की जयंती पर छुट्टी बहाल करने की मांग

विश्व केसरी■



श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मंगलवार को चल रहे सत्र के दौरान सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के कई विधायकों ने पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की जयंती पर छुट्टी फिर से बहाल करने की मांग की।

2019 से पहले जम्मू-कश्मीर में 5 दिसंबर को शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की जयंती पर छुट्टी होती थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया और कहा कि आधुनिक जम्मू-कश्मीर को बनाने में स्वर्गीय शेख अब्दुल्ला के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उनके ऐतिहासिक सुधारों जैसे 'जमीन जोतने वाले को जमीन का मालिकाना हक', यूनिवर्सिटी लेवल तक मुफ्त शिक्षा और महिलाओं का सशक्तिकरण ने एक प्रगतिशील जम्मू-कश्मीर की नींव रखी। इस चर्चा में हिस्सा लेते हुए एनसी के सीनियर नेता और विधायक मुबारक गुल ने कहा कि हम दशकों तक सत्ता में रहे, लेकिन हमने कभी कोई छुट्टी नहीं हटाई। हमने कभी इतिहास के साथ छेड़छाड़ नहीं की। अगर भाजपा या किसी दूसरी पार्टी के नेता के नाम पर कोई छुट्टी थी, तो हमने उसे कभी नहीं हटाया। छुट्टियां सामूहिक यादों का प्रतीक होती हैं।

उन्होंने कहा कि 5 दिसंबर की छुट्टी को फिर से शुरू करना जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए शेख अब्दुल्ला के योगदान को सम्मान देने जैसा होगा।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद 13 जुलाई (शहीद दिवस) और 5 दिसंबर (शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की जयंती) की छुट्टियां खत्म कर दी गईं। इसके बजाय, 2019 से केंद्र शासित प्रदेश में 23 सितंबर को स्वर्गीय महाराजा हरि सिंह की जयंती पर सार्वजनिक छुट्टी मनाई जाने लगी।

एनसी, महाराजा हरि सिंह की जयंती पर 23 सितंबर को छुट्टी मनाने का भी विरोध करती रही है।

गुजरात के सरकारी दफ्तरों की होगी 100 अंकों में रैंकिंग, स्वच्छता और रिकॉर्ड प्रबंधन पर फोकस

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात के सभी सरकारी कार्यालयों में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत स्वच्छता और रिकॉर्ड प्रबंधन का 100 अंकों के पैमाने पर मूल्यांकन किया जाएगा। इस अभियान में वर्षों से जमा कबाड़ (स्क्रैप), ई-वेस्ट और अनुपयोगी सामग्री के निस्तारण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता बढ़ाना, रिकॉर्ड के बेहतर प्रबंधन को सुनिश्चित करना और बेकार पड़ी वस्तुओं को हटाकर कार्यस्थलों को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे इस अभियान का मकसद सरकारी दफ्तरों में साफ-सफाई और कामकाज के तरीके को बेहतर बनाना है। साथ ही, इसमें पुरानी फाइलों, रिकॉर्ड, इस्तेमाल न होने वाली चीजों और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को हटाने या निपटाने पर भी जोर दिया जाएगा।

यह अभियान महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम के तहत चलाया जाएगा।सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के मुताबिक दफ्तरों का मूल्यांकन 100 अंकों के आधार पर किया जाएगा। स्कोर में 20 प्रतिशत अंक लंबित फाइलों को निपटाने के लिए 30 प्रतिशत अंक रिकॉर्ड के वर्गीकरण के लिए और बाकी 50 प्रतिशत अंक कबाड़, ई-कचरे और इस्तेमाल न होने वाली चीजों को हटाने और दफ्तर की साफ-सफाई के लिए होंगे।

इस अभियान में सचिवालय के विभाग, गांधीनगर में विभागाध्यक्षों के दफ्तर और जिला व तालुका स्तर के सरकारी दफ्तर शामिल होंगे।

कोलकाता पुलिस ने भांगड़ कॉलेज में हुई झड़पों के सिलसिले में चार लोगों को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी■



कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने मंगलवार सुबह दो अलग-अलग मामलों में चार लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां हाल ही में कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके भांगर में एक कॉलेज कैंपस में दो चरणों में हुई बड़ी हिंसा के सिलसिले में की गई हैं।

गिरफ्तार किए गए चार लोगों की पहचान रबिउल जमा शेख, अख्तर अली मोल्ला, रबिउल मिस्त्री और असलम हबीब के तौर पर हुई है।

साउथ 24 परगना जिले के अल्पसंख्यक-बहुल इलाके में स्थित भांगड़ कॉलेज में तनाव तब शुरू हुआ जब भाजपा के प्रवक्ता और भांगड़ कॉलेज की मैनेजिंग कमेटी के अध्यक्ष सायंतन बसु प्रशासनिक कामकाज के लिए कॉलेज कैंपस पहुंचे।

सीपीआई (एम) के छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ताओं ने कैंपस में बसु के दौरे का विरोध करना शुरू कर दिया। इसके बाद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद दोनों छात्र समूहों के बीच तीखी बहस हुई और आखिरकार दोनों समूहों के बीच दो बार झड़पें हुईं।

पुलिस की एक बड़ी टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह स्थिति को काबू में किया।

कर्नाटक हाईकोर्ट में वंदे मातरम विवाद पर सुनवाई, दो श्लोकों की सीमा पर राज्य सरकार के फैसले को चुनौती

विश्व केसरी■



बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को वरिष्ठ वकील और कार्यकर्ता गिरीश भारद्वाज द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई की, जिसमें सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम गाने के संबंध में राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी।

जस्टिस अनु शिवरामन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंगद कामत उपस्थित हुए, जबकि कर्नाटक सरकार की ओर से महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने प्रतिनिधित्व किया। याचिकाकर्ता की ओर से बहस करते हुए अंगद कामत ने तर्क दिया कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत से संबंधित निर्णय केंद्र सरकार द्वारा लिए जाने चाहिए और राज्य सरकारें इन्हें स्वतंत्र रूप से नहीं बदल सकतीं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के गायन के तरीके को निर्धारित करते हुए अधिसूचनाएं जारी की हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार, वंदे मातरम में छह श्लोक हैं और निर्धारित गायन में लगभग 3.10 मिनट लगते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि केंद्र ने भी इस गीत के गायन के तरीके पर दिशानिर्देश जारी किए हैं।

अंगद कामत ने तर्क दिया कि वंदे मातरम के गायन को छोटा करने का राज्य मंत्रिमंडल का निर्णय प्रक्रियात्मक खामियों से ग्रस्त था। उन्होंने दावा किया कि किसी भी विभाग ने औपचारिक रूप से गीत को छोटा करने का प्रस्ताव नहीं दिया था और मंत्रिमंडल का निर्णय उचित कैबिनेट नोट या सहायक दस्तावेज के बिना लिया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रीय प्रतीक और राष्ट्रगान सहित राष्ट्रीय प्रतीकों से संबंधित मामले केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं और राज्य सरकारें स्वतंत्र रूप से अलग नियम नहीं बना सकतीं। एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने जनहित याचिका का विरोध करते हुए।

200 टी20 जीतने वाली बनी दुनिया की पहली टीम, रोमांचक मुकाबले में जापान को 2 रनों से हराया



विश्व केसरी ■

कांटो। रोमांच से भरे एकमात्र टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में टीम इंडिया जापान के खिलाफ उलटफेर का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मैच में भारत ने जापान को 2 रनों से हराया। बारिश से प्रभावित मैच में भारत से मिले 33 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जापान की टीम 5 ओवर में 3 विकेट खोकर 30 रन ही बना सकी।

झमाझम होती बारिश और गीली आउटफील्ड के चलते टॉस तय समय से दो घंटे की देरी से हुआ। इसके बाद मैच को 5-5 ओवर का किया गया। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम जापान के स्पिन गेंदबाजों के आगे बुरी तरह से संघर्ष करते दिखाई दिए।

अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, संजू सैमसन भी रनों के लिए जूझते दिखाई दिए और वह 7 गेंदों में 9 रन बनाकर आउट हुए। संजू अपनी इस पारी में सिर्फ एक चौका लगा सके। ईशान किशन भी 6 गेंदें खेलने के बाद महज 3 रन ही बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर भी बड़ा शॉट लगाने के लिए मशक्कत करते नजर आए और वह 12 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 16 रन ही बना सके।

अय्यर ने अपनी इस पारी में महज एक चौका लगाया। तिलक वर्मा एक रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी पारी में सिर्फ दो चौके लगाए और टीम की ओर से एक भी सिक्स नहीं लगा। चार्ली हारा-हिन्जे जापान के सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 17 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, इब्राहिम ताकाहाशी और बेंजामिन इटो-डेविस ने एक-एक विकेट झटका।

भारत से मिले 33 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अक्षर पटेल ने पहला ओवर बेहद किफायती फेंकने के साथ-साथ लैकलन यामामोटो-लेक को सिर्फ एक रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। पहले ओवर में जापान की टीम सिर्फ 2 रन ही बना सकी। दूसरे ओवर की जिम्मेदारी कप्तान श्रेयस अय्यर ने वॉशिंगटन सुंदर को सौंपी।



भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का एशियन गेम्स 2026 में सफर समाप्त, क्वार्टर फाइनल में जापान ने हराया



विश्व केसरी ■

इचिनोमिया सिटी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। मंगलवार को भारतीय टीम को जापान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने शानदार जीत दर्ज की, लेकिन सिंगल्स में भारतीय टीम को अपने तीनों ही मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले की शुरुआत भारत के लिए अच्छी नहीं रही। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु को एकतरफा मुकाबले में दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी अकाने यामागुची के खिलाफ 23-21, 18-21, 6-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद उन्नति हुड्डा भी 2022 की वर्ल्ड जूनियर चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 7 खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से पार नहीं पा सकीं और उन्हें 16-21, 18-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इस जीत के साथ ही जापान ने अपनी बढ़त को 2-0 कर लिया। हालांकि, इसके बाद त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा और उन्होंने डबल्स मुकाबले में युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो को 21-17, 21-16 से हराकर भारत की उम्मीदें बनाए रखीं।

तन्वी शर्मा निर्णायक मुकाबले में उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और उन्हें तीसरे सिंगल्स मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ 12-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे जापान ने इस मुकाबले में अपनी जीत पक्की कर ली। जापान के खिलाफ मिली हार के साथ ही भारतीय महिला टीम का एशियन गेम्स 2026 में मेडल जीतने का सपना भी टूट गया है।

एशियन गेम्स में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने अब तक सिर्फ एक बार ही मेडल जीता है। साल 2014 में देश की झोली में ब्रॉन्ज मेडल आया था। पिछले एशियन गेम्स में भारतीय टीम थाईलैंड के खिलाफ 0-3 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट का आगाज कजाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर किया था।



साक्षी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई



विश्व केसरी ■

निशियो। कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता साक्षी चौधरी ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के शुरुआती राउंड में पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विनर आइरा विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

चौधरी ने निशियो जिमनैजियम में अपने एशियन गेम्स डेब्यू में शानदार परफॉर्मेंस देते हुए फिलिपिनो बॉक्सर को 5-0 के एकमत फैसले से हराया।

उन्होंने 10-9 के स्कोर के साथ तीनों राउंड एकमत से जीते और दोनों में से बेहतर बॉक्सर थीं। उनके सटीक पंच पेरिस की कांस्य पदक विजेता के लिए संभालना मुश्किल था।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अब प्री-क्वार्टर में पहुंच गई हैं। गुरुवार को उनका मुकाबला मौजूदा 51 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा से होगा।

साक्षी पहले से ही एक मशहूर बॉक्सर हैं और उन्होंने इस खेल को कुछ बड़ी मुक्केबाजों को हराया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल्स में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा को हराया।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का विजय रथ जारी, एकतरफा मुकाबले में साउथ कोरिया को हराया



विश्व केसरी ■

नागोया। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को ग्रुप ए के अपने दूसरे मैच में टीम ने साउथ कोरिया को 63-31 से शिकस्त दी।

सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और साउथ कोरिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारतीय रेडिंग यूनिट ने पूरे मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया और कोरिया के 23 प्वाइंट्स के मुकाबले 38 प्वाइंट्स हासिल किए, जबकि डिफेंस ने कई सफल टैकल के साथ-साथ रेडर्स का भरपूर साथ निभाया।

पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरी तरह से हावी रहे और उन्होंने 34-14 की बड़ी बढ़त हासिल की। पहले हाफ में ही टीम ने 23 रेड प्वाइंट्स और सात बोनस प्वाइंट्स हासिल किए, साथ ही दो बार कोरिया को ऑलआउट किया, जिसका कोरिया के पास कोई जवाब नहीं था। कोरिया के रेडर्स भारतीय डिफेंस लाइन में जगह बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए और ब्रेक से पहले केवल 10 टच प्वाइंट्स ही हासिल कर पाए।

दूसरे हाफ में भी भारत के खेल का अंदाज वैसा ही रहा। साउथ कोरिया ने थोड़ी और टक्कर देने की कोशिश की लेकिन कभी भी वापसी की उम्मीद नहीं जगा पाई। खेल दोबारा शुरू होने के बाद भारत ने 29 और प्वाइंट्स जोड़े। भारतीय टीम ने जापान को एक बार और ऑलआउट किया और मैच में अपने बोनस प्वाइंट्स की संख्या 17 तक पहुंचाई। वहीं, कोरिया ने 17 प्वाइंट्स हासिल किए, लेकिन यह अंतर को पाटने के लिए काफी नहीं थे।

इस जीत के साथ भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। टीम ने अब तक खेले दोनों ही मुकाबलों में धमाकेदार जीत दर्ज की है। पहले मैच में भारतीय टीम ने जापान को एकतरफा अंदाज में शिकस्त दी थी। पुरुष टीम अब 23 सितंबर को ग्रुप ए के मैच में बांग्लादेश का सामना करेगी। टीम पिछले 10 संस्करणों में अपना 9वां एशियाई खेल स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश में जुटी है।

एशियन गेम्स में कबड्डी के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम रही है। अब तक हुए 13 टूर्नामेंट्स में से 11 बार भारत ने स्वर्ण पदक जीता है।

पुरुष टीम ने 9 में से 8 बार स्वर्ण जीता है, केवल जकार्ता 2018 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था और कांस्य पदक मिला था। महिला टीम ने चार में से तीन बार स्वर्ण जीता है और 2018 में रजत पदक हासिल किया था।

जापान को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम



विश्व केसरी ■

इचिनोमिया सिटी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जापान को 3-0 से हराया।

इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स 2026 में अपना मेडल पक्का कर लिया है। लक्ष्य सेन ने शुरुआती सिंगल्स मैच में कोडाई नारोका की कड़ी चुनौती का सामना किया।

इसके बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी ने जीत दर्ज करते हुए भारत को सेमीफाइनल (अंतिम चार) में पहुंचने के करीब पहुंचाया। वहीं, अंत में आयुष शेट्टी ने कोकी वातानाबे को सीधे गेम में हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

पहला गेम 11-21 से हारने के बाद लक्ष्य को काफी संघर्ष करना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम 21-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचाया। तीसरे गेम में नारोका ने फिर से बढ़त बनाई और पांच अंकों की बढ़त ले ली, लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी की। उन्होंने स्कोर 19-19 से बराबर किया और फिर अगले दो अंक जीतकर 11-21, 21-5, 21-19 से जीत हासिल की।

महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को हराया, क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ कोरिया से होगा मुकाबला



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने मंगलवार को थाईलैंड को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय टीम ने 2-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए थाईलैंड को 3-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम का सामना नॉर्थ कोरिया से होगा।

यशस्विनी घोरपड़े ने दो जीत के साथ भारत को मुकाबले में बनाए रखा, जबकि श्रीजा अकुला ने ओलंपियन और एशियन गेम्स मेडलिस्ट सुथासिनी सावेत्ताबुत पर 3-1 (9-11, 11-6, 12-10, 11-8) से जीत हासिल करके मुकाबला पक्का कर दिया।

भारत ने अब तक एशियन गेम्स टेबल टेनिस में तीन कांस्य पदक जीते हैं। यह सफलता जकार्ता 2018 में मिली थी, जहां भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में देश के लिए पहला टेबल टेनिस मेडल जीता। इसके बाद शरत कमल और मनिका बत्रा ने मिक्स्ड डबल्स में एक और कांस्य पदक जीता। हांगझोऊ 2023 में, सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने महिला डबल्स में कांस्य पदक जीता था।

इससे पहले, भारत के कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट मंगलवार को कांस्य पदक मैच में चीनी ताइपे के चुंग मेंग-यू से सेंशु के हाथों हारने के बाद पुरुषों की 84 किग्रा कुमाइट में पोडियम फिनिश से चूक गए।

कांस्य पदक के मुकाबले में, चेतन का मुकाबला चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। स्कोर 1-1 से बराबर था और मेंग-यू को सेंशु के जरिए विजेता घोषित किया गया।

भट्ट इससे पहले अपना सेमीफाइनल जॉर्डन के मोहम्मद अलजा'फारी से 8-0 से हार गए थे। इस बीच, रोहित बेनेडिक्शन, दानुश सुरेश, ऋषभ दास और आकाश मणि की भारत की चौकड़ी ने 3:40.41 सेकंड का समय निकालकर हीट्स में 16 देशों में सातवां स्थान हासिल किया और पुरुषों की 4×100 मीटर मेडले रिले फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

सॉफ्ट टेनिस में, आध्या तिवारी ग्रुप डी में थाईलैंड की अलीशा जिग्लर से महिला एकल ओपनर में 4-1 (1-4, 4-0, 4-0, 4-2, 6-4) से हार गईं। आगे बढ़ने का मौका पाने के लिए उन्हें पाकिस्तान की कायनात शालवानी के खिलाफ अपना अगला मैच जीतना होगा।

नेपाली मुक्केबाज को 5-0 से हराकर जदुमणि सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे



विश्व केसरी ■

निशियो। एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुषों के 55 किग्रा प्रिलिमिनरी राउंड में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को शिकस्त दी। इसी के साथ जदुमणि ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट ने यह बाउट निशियो जिम्नेजियम में जीती।

जदुमणि ने शानदार मुकाबला करते हुए थापा पर 5-0 से सर्वसम्मत जीत हासिल की। ??जदुमणि ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट के खिलाफ धीमी शुरुआत की, लेकिन मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और तीनों राउंड में सटीक पंच से जजों को प्रभावित किया।

शुरुआती दो राउंड जीतने के बाद जदुमणि ने अपना दबदबा बनाए रखा और तीसरे राउंड में एक लेफ्ट हुक लगाया, जिससे थापा को 'स्टैंडिंग काउंट' का सामना करना पड़ा। भारतीय बॉक्सर ने तीसरा राउंड भी जीता और तीन 30-27 और दो 29-28 स्कोरकार्ड के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

जदुमणि अब शनिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के बॉक्सर कार्लो पालाम से भिड़ेंगे, जो 2020 टोक्यो ओलंपिक गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं। वह एशियन गेम्स 2018 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम कर चुके हैं।

इससे पहले, ग्लासगो गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट साक्षी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 के प्रिलिमिनरी राउंड में पेरिस ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट आइरा विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

चौधरी ने निशियो जिम्नेजियम में अपने एशियन गेम्स डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस की बॉक्सर को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अब प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं और गुरुवार को एक कड़े मुकाबले में मौजूदा 51 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा का सामना करेंगी।

वित्त वर्ष 2027 में 6.7 प्रतिशत वृद्धि के साथ भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने जताया भरोसा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। विश्व आर्थिक मंच यानी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की चीफ इकोनॉमिस्ट्स आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि के साथ भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे मजबूत विकास संभावनाओं वाला देश बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मांग की मजबूती भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है। सितंबर 2026 की इस रिपोर्ट में अमेरिका, यूरोप, चीन, जापान, भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन, मध्य पूर्व एवं उत्तरी अफ्रीका, मध्य एशिया और सब-सहारा अफ्रीका सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों का आकलन किया गया है। रिपोर्ट के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के 92 मुख्य अर्थशास्त्रियों से राय ली गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 74 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्री भारत में मजबूत या बहुत मजबूत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि मई में यह आंकड़ा 52 प्रतिशत था। वहीं 98 प्रतिशत विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 12 महीनों में भारत की वृद्धि दर कम से कम मध्यम या उससे बेहतर रहेगी।

रोजगार के मोर्चे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि 70 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों को अगले एक वर्ष में बेरोजगारी दर में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखाई देता। हालांकि 17 प्रतिशत विशेषज्ञों को बेरोजगारी बढ़ने और 13 प्रतिशत को इसमें कमी आने की उम्मीद है।

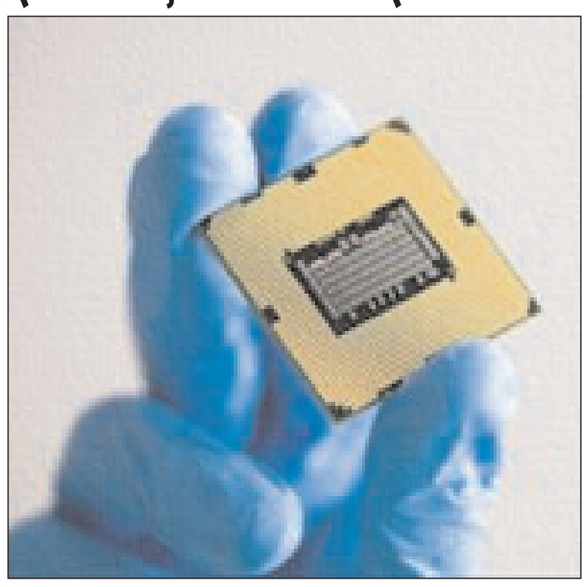
आंकड़ों के मुताबिक, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की बेरोजगारी दर जुलाई के 5.1 प्रतिशत से घटकर अगस्त में 5 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में श्रम बल भागीदारी दर 55.4 प्रतिशत से बढ़कर 55.6 प्रतिशत हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, यह संकेत देता है कि मजबूत आर्थिक गतिविधियों के बीच श्रम बाजार अपेक्षाकृत स्थिर बना हुआ है, हालांकि रोजगार सृजन की गति बनाए रखना अभी भी महत्वपूर्ण है।

महंगाई के मोर्चे पर भी स्थिति कुछ बेहतर हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मई की तुलना में मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। 55 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों को अगले 12 महीनों में मध्यम महंगाई की उम्मीद है, जबकि 45 प्रतिशत उच्च महंगाई की संभावना जता रहे हैं। मई में 61 प्रतिशत विशेषज्ञ उच्च या बहुत उच्च महंगाई की आशंका जता रहे थे।

अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई बढ़कर 4.8 प्रतिशत रही। यह आरबीआई के 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि लक्ष्य से ऊपर है, लेकिन अभी भी 2-6 प्रतिशत के स्वीकार्य दायरे के भीतर बनी हुई है। मौद्रिक नीति को लेकर 67 प्रतिशत विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले 12 महीनों में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, जबकि 24 प्रतिशत नीति को और सख्त किए जाने की संभावना देख रहे हैं।

भारत के चिपइन सेंटर से जुड़े 1 लाख से अधिक इंजीनियर, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मिली नई ताकत



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ी प्रगति करते हुए चिपइन सेंटर ने सी2एस (चिप्स टू स्टार्टअप) कार्यक्रम और डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना के तहत देशभर के 1 लाख से अधिक इंजीनियरों को अपने प्लेटफॉर्म से जोड़ा है। सरकार के अनुसार, ये इंजीनियर 500 से अधिक संगठनों से जुड़े हैं, जिनमें 400 शैक्षणिक संस्थान और 100 स्टार्टअप शामिल हैं।

इन इंजीनियरों और संस्थानों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स, चिप डिजाइन एवं फेब्रिकेशन सेवाओं तथा विशेष प्रशिक्षण सुविधाओं तक पहुंच प्रदान की गई है। इसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता को मजबूत करना और कुशल मानव संसाधन तैयार करना है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, इन संस्थानों और स्टार्टअप्स ने मिलकर अब तक 300 से अधिक चिप डिजाइन विकसित किए हैं, जिन्हें भारत और विदेशों की फाउंड्री में निर्माण के लिए भेजा गया है। इसके अलावा चिप डिजाइन टूल्स का उपयोग 4 करोड़ घंटे से अधिक किया जा चुका है।

सरकार ने कहा कि इस पहल के परिणामस्वरूप चिपइन सेंटर में दुनिया के सबसे बड़े केंद्रीकृत चिप डिजाइन उपयोगकर्ता समूहों में से एक विकसित हुआ है, जो भारत के उभरते सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम की क्षमता को दर्शाता है।

चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) कार्यक्रम छात्रों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के बीच सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल विकसित करने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य बड़ी संख्या में प्रशिक्षित चिप डिजाइनर तैयार करना और देश की इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन क्षमता को मजबूत बनाना है।

वहीं, सरकार की डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना ने वीडियो सर्विलांस, ड्रोन डिटेक्शन, ऊर्जा मीटर, माइक्रोप्रोसेसर, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, ब्रॉडबैंड और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सिस्टम-ऑन-चिप (एसओसी) जैसे क्षेत्रों में घरेलू चिप डिजाइन परियोजनाओं को समर्थन प्रदान किया है।

सरकार ने बताया कि सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत अब तक 6 राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इन परियोजनाओं में 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। इनमें से तीन इकाइयों ने व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू कर दिया है।

सरकार के अनुसार, सेमीकॉन इंडिया 2026 ने यह दिखाया कि भारत केवल भविष्य की योजनाएं ही नहीं बना रहा, बल्कि डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग और संबंधित प्रौद्योगिकियों में वास्तविक क्षमताएं भी तेजी से विकसित कर रहा है।

ध्यान के लिए सबसे उत्तम है पद्मासन, जानिए इसके चमत्कारी फायदे और करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और मानसिक अशांति आम समस्या बन गई है। ऐसे में योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मन को शांत करने में भी मदद करता है। पद्मासन योग का एक प्रमुख आसन माना जाता है, जिसे ध्यान और मानसिक एकाग्रता के लिए विशेष रूप से उपयोगी माना जाता है।

इस आसन में बैठने से शरीर स्थिर रहता है और मन को शांत करने में मदद मिलती है।



इस आसन का नाम संस्कृत के दो शब्दों 'पद्म' यानी कमल और 'आसन' यानी बैठने की मुद्रा से मिलकर बना है। इस आसन में बैठने पर व्यक्ति की मुद्रा खिले हुए कमल के फूल जैसी प्रतीत होती है, इसलिए इसे पद्मासन कहा जाता है। ध्यान और प्राणायम के लिए इस आसन को बेहद आसान माना जाता है।

प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनि मन की एकाग्रता, शांति और आत्मिक ऊर्जा को बढ़ाने के लिए इसी आसन में बैठकर साधना करते थे। आज के तनावपूर्ण जीवन में भी यदि आप मानसिक शांति और शारीरिक स्थिरता चाहते हैं, तो पद्मासन का अभ्यास आपके लिए बेहद लाभकारी हो सकता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, पद्मासन एक अत्यंत स्थिर, सुखदायक और आधारभूत ध्यानात्मक मुद्रा है। यह आसन मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने में विशेष रूप से प्रभावी माना गया है।

यह आसन पेट के अंगों को उत्तेजित करता है, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। यह आसन रीढ़ को सीधा रखता है, जिससे पीठ दर्द और गलत मुद्रा में बैठकर काम करने से होने वाली कई समस्याओं में सुधार होता है।

साथ ही यह कूल्हों, घुटनों और टखनों को लचीला बनाता है, जिससे गठिया की वजह से होने वाले दर्द में राहत मिलती है। यही नहीं, यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करता है, जिससे थकान कम होती है और शरीर की एनर्जी बढ़ती है।

यदि शुरुआत में इस आसन को करने के दौरान दोनों पैरों को जांघों पर रखना कठिन हो, तो जबरदस्ती न करें। इसकी जगह आप अर्ध-पद्मासन का अभ्यास कर सकते हैं, जिसमें केवल एक पैर को जांघ पर रखा जाता है। साथ ही, जिन्हें घुटनों में तेज दर्द, टखने की गंभीर चोट या साइटिका की गंभीर समस्या हो, उन्हें इस आसन को करने से बचना चाहिए।

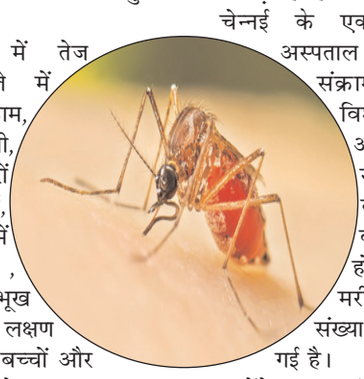
चेन्नई में फ्लू, डेंगू और सांस की बीमारियों के कारण अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़

विश्व केसरी ■

चेन्नई। चेन्नई के प्राइवेट अस्पतालों में फ्लू, सांस से जुड़े संक्रमण और डेंगू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसके कारण ओपीडी में लंबी कतारें लग रही हैं, वार्ड भरे हुए हैं और भर्ती के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

कुछ अस्पतालों में तो इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को बेड के लिए 12 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, आईसीयू से जनरल वार्ड में शिफ्ट होने वाले मरीजों को भी कमरों की कमी के कारण देरी हो रही है।

डॉक्टरों का कहना है कि ज्यादातर संक्रमण हल्के हैं और मरीज दवा, आराम तथा पानी पीने से ठीक हो रहे हैं। हालांकि, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से ग्रस्त लोगों के लिए ये बीमारियां गंभीर हो सकती हैं। कमजोर मरीजों में मौत के मामले कम हैं लेकिन खतरा बना हुआ है।



मरीजों में तेज बुखार, गले में खराश, जुकाम, लगातार खांसी, बदन और पैरों में तेज दर्द, सीने में तकलीफ, थकान और भूख न लगने जैसे लक्षण दिख रहे हैं। बच्चों और किशोरों में लंबे समय तक बुखार और बहुत ज्यादा थकान देखी जा रही है। कुछ बच्चों में बुखार के कारण घबराहट या भ्रम की स्थिति भी बन रही है। कुछ मरीजों को नेबुलाइजेशन या फ्लूइड की जरूरत पड़ रही है, जिससे अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या बढ़ रही है।

चेन्नई के एक प्राइवेट अस्पताल की संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. आर. राजम्मल ने बताया कि वार्ड में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है।

उन्होंने कहा, 'जब मरीज इमरजेंसी में आते हैं तो कमरे या बेड के लिए 12 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसी तरह आईसीयू से बाहर शिफ्ट होने वाले मरीजों को भी जनरल वार्ड में बेड के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। ओपीडी में भी इंतजार का समय काफी बढ़ गया है।'

डॉक्टरों के अनुसार, मौजूदा मामलों में बड़ा हिस्सा रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी), एडेनोवायरस, राइनोवायरस और पैराइन्फ्लुएंजा जैसे वायरस के कारण हो रहा है। इसके अलावा इन्फ्लुएंजा, जिसमें एच1एन1 भी शामिल है, और डेंगू के मामले भी काफी आ रहे हैं।

डॉक्टरों ने लोगों को सलाह दी है कि बुखार को नजरअंदाज न करें और खुद से दवा न लें, खासकर जब लक्षण बने रहें। लोगों से हाथों की सफाई रखने, संक्रमित लोगों से दूरी बनाए रखने और भीड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने की अपील की गई है।

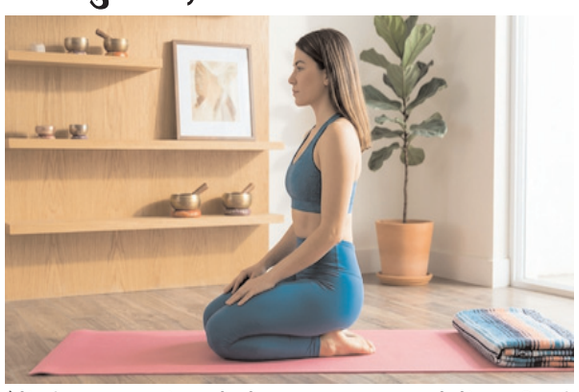
वज्रासन से पाचन होगा दुरुस्त, पेट की गैस और कब्ज से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भागदौड़भरी जीवनशैली में जहां लोग कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं योग एक प्राकृतिक और सरल उपाय के रूप में उभरा है। विभिन्न आसनों में वज्रासन एक ऐसा आसन है, जिसे करना सबसे सरल है और यह काफी लाभकारी है।

संस्कृत में 'वज्र' का अर्थ 'हीरा' या 'बिजली' होता है, इसलिए इसे 'डायमंड पोज' भी कहते हैं। 'वज्र' का अर्थ होता है कठोर या मजबूत और इस आसन से शरीर वज्र के समान मजबूत बनता है, इसलिए इसे वज्रासन कहा जाता है।

वज्रासन एकमात्र ऐसा योगासन है, जिसे भोजन करने के तुरंत बाद भी किया जा सकता है क्योंकि यह पैरों की तरफ रक्त संचार को थोड़ा रोककर पेट के अंगों में रक्त प्रवाह और पाचक रसों को बढ़ाता है। साथ ही, इसके अभ्यास से पाचन क्रिया में सुधार आता है और शरीर को मजबूती मिलती है।



आयुर्वेद के अनुसार, वज्रासन खासतौर से वजन कम करने में मददगार होता है। इसे करने से शरीर का वजन कम करने में मदद मिलती है, खासकर जांघों और पेट की चर्बी घटती है। इससे पेट हल्का लगता है और पाचन तंत्र मजबूत होता है। यह कब्ज, गैस, खट्टी डकार और अपच जैसी पेट की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। वज्रासन से शरीर में खून का बहाव बेहतर होता है और इसे रोज करने से साइटिका जैसी बीमारी से भी राहत मिलती है। यह आसन खासतौर पर खाने के बाद करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

वज्रासन करने का सही तरीका बहुत आसान है। सबसे पहले अपने घुटनों के बल बैठ जाएं। फिर अपनी पीठ को सीधा रखें ताकि आपकी रीढ़ की हड्डी सही स्थिति में हो।

न्यूयॉर्क में भारत ने पेश किया डिजिटल हेल्थ का मॉडल, स्वास्थ्य सचिव बोलीं-'एआई से बदलेगी तस्वीर'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्वास्थ्य सचिव पुण्या सलिला श्रीवास्तव ने न्यूयॉर्क में भारत के वाणिज्य दूतावास में आयोजित 'ग्रार्डिंग द फ्रंटियर: ए ग्लोबल साउथ एआई फ्रेमवर्क' विषय पर चर्चा के दौरान ग्लोबल साउथ के लिए एआई और डिजिटल हेल्थ इनोवेशन में भारत के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत यह दिखा रहा है कि कैसे मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और संदर्भ-आधारित डेटा से चलने वाली एआई बड़े पैमाने पर हेल्थकेयर सर्विस को बदल सकती है।

यह सत्र मेरिडियन इंटरनेशनल सेंटर और प्राइमस पार्टनर्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस दौरान ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव रोहित कंसल के साथ बातचीत हुई और इसका संचालन प्राइमस पार्टनर्स के सीईओ और संस्थापक निलय वर्मा ने किया।

अपने संबोधन में स्वास्थ्य सचिव ने भारत की हेल्थ-टेक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधार के जरिए बनाए गए डिजिटल आधार और बाद में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) और एबएचए आईडी के जरिए मजबूत किए गए सिस्टम ने भारत को एक ऐसा डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम बनाने में सक्षम बनाया है, जिसे बड़े पैमाने पर बढ़ाया जा सकता है और जो अलग-अलग सिस्टम के साथ मिलकर काम कर सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई मॉडल को संदर्भ-आधारित और प्रतिनिधि डेटा से सीखना चाहिए ताकि वे ऐसे समाधान दे सकें जो उन लोगों के लिए सार्थक और प्रासंगिक हों जिनकी वे सेवा करते हैं।



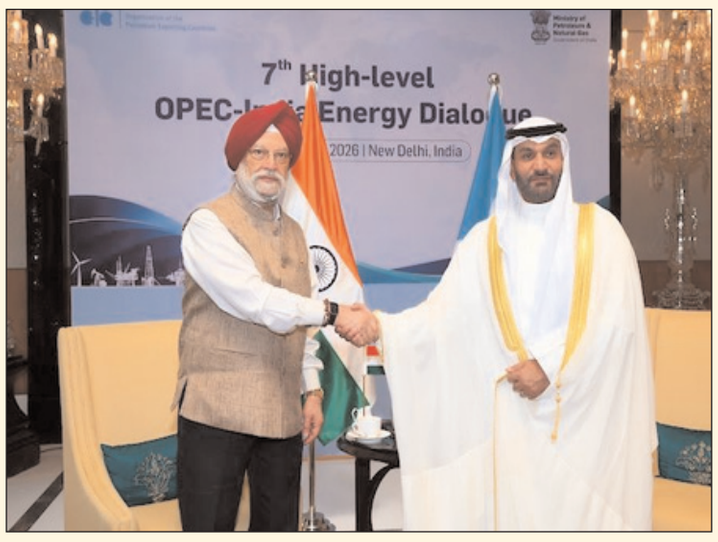






भारत और ओपेक ने ऊर्जा साझेदारी को और गहरा करने पर जताई सहमति

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपीईसी) ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में ऊर्जा सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और बढ़ती ऊर्जा मांग को देखते हुए आपसी सहयोग को और गहरा करना आवश्यक है।

बैठक की सह-अध्यक्षता केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और ओपेक के महासचिव हैथम अल घैस ने की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में वैश्विक तेल बाजार की स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और तेल उद्योग में पर्याप्त एवं समयबद्ध निवेश की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने ऊर्जा बाजार के अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक परिदृश्य की भी समीक्षा की और वैश्विक आर्थिक वृद्धि तथा ऊर्जा मांग में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

हरदीप सिंह पुरी ने भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और बाजार में अस्थिरता के दौर में वैश्विक ऊर्जा बाजारों में स्थिरता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ओपेक के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संतुलित, स्थिर और पूर्वानुमेय वैश्विक ऊर्जा बाजार विकसित करने के लिए भारत और ओपेक को मिलकर काम करना चाहिए।

पुरी ने कहा कि भारत और ओपेक के बीच संबंध स्वाभाविक रूप से पूरक और परस्पर लाभकारी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत ओपेक और उसके सदस्य देशों के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को बहुत महत्व देता है, जिसने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर आपसी समझ और सहयोग को मजबूत किया है।

उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के नाते भारत आने वाले दशकों में वैश्विक ऊर्जा मांग का महत्वपूर्ण चालक बना रहेगा। उत्पादक और उपभोक्ता देशों के बीच निरंतर संवाद निवेश को बढ़ावा देने, ऊर्जा लचीलापन मजबूत करने और वैश्विक विकास के लिए विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।'

वहीं, ओपेक महासचिव हैथम अल घैस ने कहा कि भारत के साथ संवाद संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है, क्योंकि वर्तमान वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में यह और अधिक मजबूत होगा।

उन्होंने कहा, 'ओपेक-भारत ऊर्जा संवाद को 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इसकी शुरुआत वर्ष 2015 में नई दिल्ली में हुई थी और यह सहयोग लगातार मजबूत होता गया है। अल घैस ने ऊर्जा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के संतुलित, व्यावहारिक और यथार्थवादी दृष्टिकोण की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत की कई ऊर्जा प्राथमिकताएं ओपेक की प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। उन्होंने भारतीय सरकार की अंतरराष्ट्रीय सहयोग और संवाद के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत लगातार बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों का समर्थन करता रहा है। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने इस बात पर भी सहमति जताई कि ओपेक-भारत ऊर्जा संवाद की 8वीं उच्चस्तरीय बैठक पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर वियना में आयोजित की जाएगी।

पुलिस का डर खत्म होने से बढ़ रहे अपराध -सौरभ भारद्वाज

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली में नाबालिग बच्चियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने सरकार और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा। कालकाजी में 17 वर्षीय लड़की के साथ गैंगरेप की घटना को लेकर 'आप' नेताओं ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए।

पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली में बढ़ते दुष्कर्म के मामलों के लिए पुलिस और सरकार की कार्यप्रणाली को जिम्मेदार ठहराया। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली में पुलिस का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य के लिए किया जा रहा है और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के बजाय पुलिस अन्य मामलों में व्यस्त रहती है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ हर महीने अलग-अलग मामलों में मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, लेकिन आम लोगों, खासकर महिलाओं की शिकायतों को लेकर पुलिस का रवैया अलग दिखाई देता है।

उन्होंने जनकपुरी में तीन साल की बच्ची के साथ हुई दुष्कर्म की घटना का भी उल्लेख किया। भारद्वाज ने दावा किया कि घटना के बाद बच्ची के माता-पिता को पुलिस अधिकारियों की ओर से कथित तौर पर धमकाया गया और इस मामले में सरकार की ओर से पर्याप्त हस्तक्षेप नहीं किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुलिस पर गंभीर आरोप सामने आते हैं, तब सरकार की ओर से कार्रवाई क्यों नहीं की जाती।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यदि किसी लड़की के साथ मोहल्ले में छेड़छाड़ या उत्पीड़न हो रहा है और वह पुलिस के पास शिकायत लेकर जाती है तो पुलिस को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में शिकायत दर्ज करने में लापरवाही बरती जाती है और ऐसी परिस्थितियों में अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। उन्होंने कहा कि जब गलियों में खुले तौर पर घूमने वाले कथित बदमाशों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी तो गंभीर अपराधों की घटनाएं सामने आती रहेंगी।

'आप' नेता ने दिल्ली पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस पर राजनीतिक इस्तेमाल के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास मुकदमे दर्ज करने के लिए पर्याप्त सक्रियता दिखाई देती है, लेकिन आम लोगों की शिकायतों और स्थानीय स्तर पर होने वाले अपराधों की रोकथाम को लेकर वही तत्परता दिखाई नहीं देती।

कालकाजी रेप केसः मुठभेड़ के बाद एक आरोपी गिरफ्तार, दो अन्य से पूछताछ जारी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के कालकाजी इलाके में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य लोगों से पूछताछ जारी है।

यह घटना सोमवार शाम कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में घटी।

दिल्ली पुलिस प्रमुख के पुलिस आयुक्त सचिवालय-सह-विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) और संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय कुमार ने पत्रकारों को बताया कल शाम हमें फरीदाबाद की एक 17 वर्षीय लड़की के बारे में पीसीआर कॉल मिली। लड़की अपने एक नाबालिग दोस्त के साथ यहां आई थी। वे पहले एक मंदिर गए और फिर आस्था कुंज पार्क गए, जो थोड़ा सुनसान इलाका है। वहां उनकी मुलाकात तीन लोगों से हुई, जिन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताया और उनसे पुलिस अधिकारियों और वकीलों जैसी भाषा में बात की, यहां तक कि उन्हें पुलिस कार्रवाई की धमकी भी दी। उन्होंने लड़के को पकड़ लिया और कथित तौर पर लड़की का सामूहिक दुष्कर्म किया। हमें यह शिकायत लड़की से मिली है।

उन्होंने बताया कि नाबालिग का मेडिकल परीक्षण हो चुका है। विजय कुमार ने आगे बताया कि मंगलवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में आसिफ नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि दो और लोगों के नाम सामने आए हैं और उनसे भी पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली के पहाड़गंज में स्पा में चल रहे सेक्स रैकेट का भांडाफोड़

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पहाड़गंज के मुल्तानी ढांडा इलाके में एक स्पा से चलाए जा रहे कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करके चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस ऑपरेशन के दौरान आठ महिलाओं को बचाया गया।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सोमवार को की गई। शाम करीब 7 बजे एक मुखबिर ने एसआई नीरज राठी से संपर्क किया और मुल्तानी ढांडा इलाके की गली नंबर 3 में प्रॉपर्टी नंबर 9139 की दूसरी और तीसरी मंजिल पर चल रहे 'लुक लाइफ स्पा' में अवैध सेक्स रैकेट के बारे में जानकारी दी।

यह जानकारी तुरंत नबी करीम पुलिस स्टेशन के एसएचओ के साथ साझा की गई, जिसके बाद जानकारी की पुष्टि करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने के लिए एक पुलिस टीम बनाई गई।

छापेमारी करने वाली टीम में एसआई राठी और अमित, महिला एसआई श्रुति, एएसआई संजीव, हेड कांस्टेबल संदीप, अमित और एमपी सिंह, कांस्टेबल अमित, संजय और धनसी और महिला हेड कांस्टेबल प्रीति तथा महिला कांस्टेबल सुप्रिया और राखी शामिल थीं।

यह टीम नबी करीम पुलिस स्टेशन के एसएचओ की देखरेख और पहाड़गंज के एसीपीकी समग्र निगरानी में काम कर रही थी।

ऑपरेशन के तहत, जानकारी की पुष्टि के लिए एसआई अमित को एक नकली ग्राहक के तौर पर भेजा गया। कथित अवैध गतिविधि की पुष्टि होने के बाद, पुलिस टीम ने परिसर में छापा मारा और चार लोगों को पकड़ा।

रियल11 फैंटेसी स्पोर्ट्स पर 4.34 करोड़ की धोखाधड़ी का केस दर्ज

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रियल11 फैंटेसी स्पोर्ट्स एलएलपी के खिलाफ शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज की है। यह पूरा मामला ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म के नाम पर कथित साइबर और वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा है।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल द्वारा वकील अजय कुमार कसाना की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। शिकायतकर्ता ने 4.34 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान का आरोप लगाया। इसी के साथ रियल11 ऐप पर करीब 1.39 करोड़ रुपए जमा करने का दावा किया है। शिकायतकर्ता के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान रियल11 ऐप पर रकम जमा करने की बात कही गई है। पीड़ित ने ऐप पर करीब 1.31 करोड़ रुपए की जीत दिखाने का आरोप लगाया है। वादी के मुताबिक, ऐप से पूरी रकम निकालने की अनुमति नहीं दी गई।

पीड़ित द्वारा ऐप से करीब 26 लाख रुपए निकालने की अनुमति मिलने का दावा किया गया है। इसके बाद अकाउंट का एक्सेस बंद होने का आरोप है। इसी के साथ गेमिंग अकाउंट के डेटा में कथित हेरफेर का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने डैशबोर्ड में बदलाव कर ट्रांजेक्शन और जीत की जानकारी तक पहुंच रोकने का दावा किया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की ओर से दर्ज एफआईआर में ललित यादव और अमित यादव के नाम का जिक्र है। शिकायत में इनके नाम रियल11 प्लेटफॉर्म से जुड़े बताए गए, जबकि अन्य आरोपियों को अज्ञात बताया गया है।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक की भारत कड़े शब्दों में निंदा करता है : रणधीर जायसवाल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के पक्तिका और कुनार पर पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में भारत का पक्ष रखा।

रणधीर जायसवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'पाकिस्तान के हमले की हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। उस हिंसा में कई आम लोगों की जान गई, हमारी उनके साथ संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं, जो घायल हैं उनके लिए कामना है कि वो जल्द ठीक हो जाए। ऐसी आक्रामकता क्षेत्र की अखंडता और शांति व्यवस्था के खिलाफ है। हम अफगानिस्तान के साथ हैं। पाकिस्तान को अपने कार्रवाई पर ध्यान देना चाहिए। इससे पहले की दुनिया उससे इसे लेकर सवाल पूछे।'

सोमवार (21 सितंबर) को अफगानिस्तान के कुनार और पक्तिका प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमले किए थे। जिसमें तालिबान सरकार के अनुसार तीन लोगों की मौत हो गई थी। एयर स्ट्राइक की निंदा करते हुए तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने चेतावनी दी थी कि इन हमलों का 'उचित जवाब' दिया जाएगा।

मुजाहिद के मुताबिक पाकिस्तान ने कुनार में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। जहां पाकिस्तानी बमबारी में एक महिला और दो पुरुषों की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं और दो पुरुष घायल हो गए थे।

वहीं, पक्तिका हवाई हमले में एक स्थानीय दुकान और एक घर को निशाना बनाया गया। मुजाहिद ने पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वह अपने देश के अंदर सुरक्षा से जुड़ी नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए अफगानिस्तान में हमले कर रहा है। मुजाहिद ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'हम इस हमले की निंदा करते हैं।

21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ किया समझौता

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के अगले चरण के तहत 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि उड़ान देश की सबसे परिवर्तनकारी योजनाओं में से एक रही है, जिसने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को नई दिशा दी है और आम लोगों के लिए हवाई यात्रा को अधिक सुलभ बनाया है।

नायडू ने बताया कि सरकार ने उड़ान योजना को अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। इस अवधि में देशभर में 100 नए हवाई अड्डों और 200 आधुनिक हेलीपैड के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही योजना के अगले चरण में 4 करोड़ यात्रियों को हवाई यात्रा से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में संशोधित उड़ान योजना के तहत 80 से अधिक हवाई अड्डों का विकास किया गया है और लगभग 1.54 करोड़ यात्रियों को किफायती हवाई यात्रा का लाभ मिला है। कार्यक्रम के दौरान उड़ान के अगले चरण के तहत 'चैलेंज मोड' की भी शुरुआत की गई और नई बोली प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज जारी किए गए। इस व्यवस्था के तहत हवाई अड्डा परियोजनाओं को प्राथमिकता देकर तेज गति से पूरा किया जाएगा, जिससे निर्माण अवधि को पहले के दो से तीन वर्ष से घटाकर 18 महीने तक लाने का लक्ष्य रखा गया है।

नागर विमानन मंत्री ने कहा कि भारत का विमानन क्षेत्र वर्तमान में 70 लाख से अधिक रोजगारों का समर्थन कर रहा है और वर्ष 2040 तक यह संख्या बढ़कर 2 करोड़ से अधिक हो सकती है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) समर्थन को चरणबद्ध तरीके से जारी रखा जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान की तैयारियों में उर्वरक विभाग ने तेजी लाई

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के सफल आयोजन के लिए उर्वरक विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' है। अभियान के दौरान स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ कार्यालयों में स्वच्छ, व्यवस्थित एवं बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

वर्ष 2017 से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला स्वच्छता ही सेवा अभियान स्वच्छता के प्रति स्वैच्छिक भागीदारी और सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। इस वर्ष अभियान में स्वच्छता के लिए स्थायी व्यवहार परिवर्तन तथा नागरिक सहभागिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

रजत कुमार मिश्र (सचिव) उर्वरक विभाग ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने का अनुरोध किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सफाई अभियान की शुरुआत करने तथा इस दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

स्वच्छता ही सेवा 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उर्वरक विभाग ने 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों को शामिल करते हुए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415